www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 348 || लखनऊ
बुधवार
25 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदयः 06:03
सूर्यास्तः 06:21
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 19°00

विशेष समाचार आसाम ... ने बन्द किए... » पेज 02 | गैस की लाइन में लगे ... » पेज 04 | रजनीकांत ने धुरंधर 2 की तारीफ की

फास्ट न्यूज

पर्दे के पीछे से संस्थाओं पर बीजेपी का कंट्रोल : ममता

नई दिल्ली/कोलकाता/चेन्नई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि सरकारी संस्थाओं को पर्दे के पीछे से भारतीय जनता पार्टी कंट्रोल करती है। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमीशन (EC) के लेटर पर लगी BJP की मुहर ने यह बात पूरी तरह से साबित कर दी है। बनर्जी ने उत्तरी बंगाल के बागडोगरा जाने से पहले एयरपोर्ट पर ये बात कही। वहीं, उत्तरी 24 परगना जिले में एक घर से पुलिस ने बड़ी संख्या में देसी बम बरामद किए हैं।

पाकिस्तान दुनिया का सबसे प्रदूषित देश, भारत का छठा नंबर

नई दिल्ली। वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट 2025 के मुताबिक भारत दुनिया का छठा सबसे प्रदूषित देश है। स्विस कंपनी IQAir की रिपोर्ट के मुताबिक सबसे ज्यादा पॉल्यूटेड देशों में पाकिस्तान पहले नंबर पर है। इसके बाद बांग्लादेश, ताजिकिस्तान, चाड और कांगो हैं। उत्तर प्रदेश का लोनी दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर बना है, जबकि नई दिल्ली चौथे स्थान पर है। दुनिया के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 5 भारत के हैं। इनमें यूपी के गाजियाबाद, लोनी, असम के बर्नीहाट, नई दिल्ली और पश्चिम बंगाल का उला शामिल हैं।

दिल्ली का 21% बजट फंड प्रदूषण से निपटने के लिए

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को 1.03 लाख करोड़ का बजट पेश किया है। इसमें 62 हजार करोड़ योजनाओं और प्रोजेक्ट्स के लिए, जबकि 41 हजार करोड़ राजस्व और पूंजीगत खर्च के लिए रखे गए हैं। इस साल का बजट पिछले साल के मुकाबले 3,700 करोड़ या 3.7% ज्यादा है। इस बार ग्रीन बजट पर खास जोर दिया गया है।

‘क्रेडिट वॉर’

बीज किसने बोया, फसल कौन काटेगा?

मुलाकात, निर्देश, पोस्ट और दावा

अकबरपुर का केंद्रीय विद्यालय बना सियासी अखाड़ा

अरमान अंसारी

तमसा संकेत, संवाददाता, अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर के अकबरपुर में प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय अब सिर्फ एक शैक्षिक परियोजना नहीं रहा, बल्कि यह “क्रेडिट पॉलिटिक्स” का केंद्र बन गया है।

एक ही मुद्दे पर अलग-अलग दावों, अलग-अलग मुलाकातों और अलग-अलग नैरेटिव के बीच अब यह सवाल खड़ा हो गया है कि आखिर इस परियोजना को जमीन तक पहुंचाने का असली श्रेय किसे मिलेगा। दिलचस्प यह है कि दोनों पक्ष न सिर्फ सक्रिय हैं बल्कि अपने-अपने दावे को मजबूत करने के लिए टाइमिंग, दस्तावेज और राजनीतिक अनुभव तक को आधार बना रहे हैं।

वर्षों पुरानी मांग

अकबरपुर और आसपास के क्षेत्र में केंद्रीय विद्यालय खोलने की मांग लंबे समय से उठती रही है। बेहतर शिक्षा सुविधाओं की कमी को देखते हुए स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने समय-समय पर इस मुद्दे को उठाया। प्रस्ताव, जमीन चिन्हांकन और प्रशासनिक प्रक्रिया धीरे-धीरे आगे बढ़ती रही, लेकिन यह योजना लंबे समय तक कागजों में ही सीमित रही।

दावा बनाम दस्तावेजः दो अलग नैरेटिव

1 प्रक्रिया पहले ही आगे बढ़ चुकी थी : रितेश पांडे

पूर्व सांसद रितेश पांडे का कहना है कि उनके संसदीय कार्यकाल में केंद्रीय विद्यालय की प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी थी। उनके अनुसार, प्रस्ताव और प्रारंभिक कार्य पूरे हो चुके थे, लेकिन उत्तर प्रदेश शासन से समय पर अनुमति नहीं मिलने के कारण यह प्रोजेक्ट आगे नहीं बढ़ सका। हाल ही में उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर इस मुद्दे को फिर से आगे बढ़ाने की बात कही और आश्वासन मिलने का दावा किया।

2 अब प्रक्रिया जमीन पर : विवेक मौर्य

भाजपा नेता विवेक मौर्य ने अपने बयान में सिर्फ दावा नहीं बल्कि पूरी प्रशासनिक प्रक्रिया का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया है। उन्होंने बताया किः

- **सिझौली में 5 एकड़ जमीन चिन्हित**
- **नगर पालिका द्वारा NOC जारी**
- **जिलाधिकारी के माध्यम से प्रस्ताव KVS को भेजा गया**
- **अस्थायी कक्षाओं के लिए GGIC परिसर तैयार**

इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को औपचारिक दस्तावेज सौंपने और तुरंत ही अधिकारियों को अकबरपुर में शीघ्र केंद्रीय विद्यालय के निर्माण संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करने का “निर्देश जारी होने” का दावा भी किया है।

मंत्री से मुलाकात

- रितेश पांडे – अनुरोध और आश्वासन
- विवेक मौर्य – दस्तावेज और निर्देश

दिलचस्प तथ्य यह है कि दोनों नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात की है और दोनों ही अपने प्रयासों को निर्णायक मान रहे हैं।

इससे यह स्पष्ट हो गया है कि अब यह मुद्दा “किसने पहल की” से आगे बढ़कर “किसकी पहल पर काम आगे बढ़ा” तक पहुंच चुका है।

यही अंतर अब सियासी बहस का केंद्र बन गया है

प्रक्रिया बनाम राजनीति

केंद्रीय विद्यालय खोलने की प्रक्रिया बहु-स्तरीय होती है, जिसमें जमीन उपलब्धता, राज्य सरकार की सहमति, और केंद्र की अंतिम मंजूरी शामिल होती है। ऐसे में यह संभव है कि अलग-अलग चरणों में अलग-अलग लोगों का योगदान रहा हो।

लेकिन राजनीतिक स्तर पर यही प्रक्रिया अब श्रेय की प्रतिस्पर्धा में बदल चुकी है।

सोशल मीडिया ने भी इस सियासी प्रतिस्पर्धा को और तेज कर दिया है। रितेश पांडे का पोस्ट FB सामने आता है, कुछ घंटों बाद विवेक मौर्य का भी पोस्ट सामने आता है, जिससे यह साफ हो जाता है कि अब यह लड़ाई डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी लड़ी जा रही है। हालांकि राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अंतिम रूप से श्रेय सोशल मीडिया की टाइमिंग से नहीं बल्कि उस ठोस प्रगति से तय होगा, जो इस परियोजना को जमीन पर उतारेगी।

दरअसल, केंद्रीय विद्यालय की स्थापना एक जटिल और बहु-स्तरीय प्रक्रिया है, जिसमें भूमि चयन, राज्य सरकार की सहमति, केंद्र सरकार की मंजूरी और केंद्रीय विद्यालय संगठन की औपचारिकताएं शामिल होती हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि अलग-अलग चरणों में अलग-अलग लोगों की भूमिका सामने आती है और यही स्थिति श्रेय को लेकर विवाद को जन्म देती है।

अम्बेडकरनगर की जनता अब इस पूरे घटनाक्रम को ध्यान से देख रही है। उनके लिए यह परियोजना शिक्षा और भविष्य से जुड़ी उम्मीद है, लेकिन साथ ही यह भी एक सवाल बन गया है कि आखिर इस उपलब्धि का असली हकदार कौन होगा। क्या वह नेता जिसने शुरुआत की, या वह जिसने इसे अंतिम मंजिल तक पहुंचाया?

राजनीति के जानकारों का मानना है कि आमतौर पर जनता उसी को याद रखती है जिसके समय में काम पूरा होता है। ऐसे में भले ही इस परियोजना की नींव किसी ने रखी हो, लेकिन अंतिम श्रेय उस व्यक्ति को मिलने की संभावना ज्यादा होती है जिसके कार्यकाल में स्कूल बनकर तैयार होगा और उसका उद्घाटन होगा।

अकबरपुर में केंद्रीय विद्यालय को लेकर चल रही यह सियासत अब साफ तौर पर “काम बनाम क्रेडिट” की लड़ाई बन चुकी है, जहां एक ओर पुराने प्रयासों का हवाला दिया जा रहा है तो दूसरी ओर मौजूदा सक्रियता को निर्णायक बताया जा रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने यह स्पष्ट कर दिया है कि विकास परियोजनाएं केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं होतीं, बल्कि वे राजनीतिक दावों और छवि निर्माण का भी माध्यम बन जाती हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि भले ही इस परियोजना की नींव पहले रखी गई हो, लेकिन असली पहचान उसी को मिलेगी जो इसे जमीन पर उतारकर पूरा करेगा और जनता के सामने परिणाम के रूप में प्रस्तुत करेगा, और अब अम्बेडकरनगर की नजर इसी बात पर टिकी है कि इस कहानी का अंतिम श्रेय किसके हिस्से जाएगा।

ईरान जंग जारी रही तो गंभीर नतीजे होंगे : मोदी

आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा, टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

जंग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। धानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम एशिया के हालात पर राज्यसभा में मंगलवार को 21 मिनट बोले। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके दुष्परिणाम होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसे हुए हैं। ये चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। एक दिन पहले पीएम ने लोकसभा में 25 मिनट की

स्पीच दी थी। उन्होंने कहा था कि इस युद्ध के कारण दुनिया में जो कठिन हालात बने हैं, उनका प्रभाव लंबे समय तक बने रहने की आशंका है। इसलिए हमें तैयार रहना होगा। हम कोरोना के समय भी एकजुटता से ऐसी चुनौतियों का सामना कर चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना जरूरी है, कमर्शियल जहाजों पर हमला अस्वीकार्य है और भारत ने समाधान के लिए संवाद का रास्ता सुझाया है। उन्होंने कहा कि भारतीयों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और अब तक 3.75 लाख से ज्यादा भारतीय सुरक्षित देश लौट चुके हैं। पीएम ने बताया कि कुछ भारतीयों की मौत दुखद है।

» (शेष पेज 04 पर)

पीएम बोले- मौजूदा संकट ने पूरी दुनिया को भुला दिया

पीएम ने कहा कि सरकार देश को आत्मनिर्भर बनाने और विदेशी निर्भरता कम करने पर काम कर रही है, क्योंकि ज्यादातर वैश्विक व्यापार जहाजों पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि अब भारत हथियारों और जीवन रक्षक दवाइयों में आत्मनिर्भर बन रहा है और रेयर अर्थ मिनरल्स पर निर्भरता घटाने के प्रयास हो रहे हैं। पीएम ने कहा कि वैश्विक संकट से दुनिया की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। लेकिन भारत पर कम असर हो इसके लिए सरकार लगातार हालात पर नजर रख रही है।

पश्चिम एशिया संकट का भारत पर 5 असर

1. तेल और ऊर्जा
- भारत 85% कच्चा तेल इम्पोर्ट करता है। इसमें से 60-65% पश्चिम एशिया से आता है।
- होर्मुज स्ट्रेट से दुनिया का 20% तेल गुजरता है। यहां भारत के 22 जहाज फंसे। तनाव बढ़ने से तेल की कीमतों में $5-15 प्रति बैरल का इजाफा हो गया है।

2. भारतीयों की सुरक्षा
- पश्चिम एशिया में 80-90 लाख भारतीय काम करते हैं।
- यहां से करीब 3.75 लाख लोग सुरक्षित भारत लौटे।

3. महंगाई और आम आदमी
- एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ी। प्रीमियम पेट्रोल महंगा हुआ। शेयर बाजार में तेज गिरावट आई।
- सामान्य पेट्रोल-डीजल की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इससे रोजमर्रा के सामान महंगे हो जाएंगे।

4. रेमिटेंस (विदेश से आने वाला पैसा)
- भारत को सालाना 8 लाख करोड़ रेमिटेंस आता है। इसका 50% गल्फ देशों से आता है।
- संकट बढ़ा तो भारतीयों की नौकरी और इनकम प्रभावित होगी। देश में कम पैसा आएगा।

5. व्यापार और शिपिंग
- भारत का $100 बिलियन व्यापार इस क्षेत्र से जुड़ा है, जो युद्ध के कारण प्रभावित हो रहा है।
- अगर रेड सी/सुएज रूट बाधित होता है तो शिपिंग लागत 2-3 गुना तक बढ़ सकती है।

‘सिर्फ ईडी-ईडी की रट मत लगाओ, मुश्किल में पड़ जाओगे’

बंगाल सरकार को सुप्रीम कोर्ट की फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में I-PAC के ऑफिस में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की रेड के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने मंगलवार को ममता बनर्जी की बंगाल सरकार से पूछा कि अगर केंद्र में आपकी सरकार होती और कोई राज्य ऐसी कार्रवाई करता तो आपका रुख क्या होता। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने पूछा कि क्या ड्यूटी पर मौजूद ED अधिकारी अपने अधिकार खो देते हैं। कोर्ट ने बताया कि ED के कुछ अधिकारियों ने निजी तौर पर भी याचिका दायर की है। राज्य की ओर से सीनीयर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि ED के पास अन्य कानूनी विकल्प हैं, इसलिए वह आर्टिकल 32 के तहत याचिका नहीं दे सकती। जांच करना अधिकारी का मौलिक अधिकार नहीं, सिर्फ कानूनी अधिकार है। इस पर कोर्ट ने कहा कि ED अधिकारियों के मौलिक अधिकार भी हैं। सिर्फ यह न कहें कि वे अधिकारी हैं, इसलिए नागरिक नहीं हैं। उनकी याचिकाओं को भी महत्व देना होगा। 8 जनवरी को ED की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था।

» (शेष पेज 04 पर)

आई-पीएसी रेड मामला : 2,742 करोड़ का मनी लॉन्ड्रिंग केस

I-PAC यानी इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी एक पॉलिटिकल कंसल्टेंसी कंपनी है। यह राजनीतिक दलों के लिए बड़े स्तर पर चुनावी अभियानों का काम करती है।

केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही अनुसूचित जाति का दावा कर सकते हैं

सुप्रीम कोर्ट का फैसला- धर्म बदला तो अनुसूचित जाति का दर्जा भी खत्म हो जाता है

फैसला

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो देगा। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ लगाई गई चिंथदा की याचिका पर सुनाया गया।

धर्म परिवर्तन के बाद पादरी बने चिंथदा आनंद ने याचिका लगाई थी कि उन्हें अक्काला रामिरेड्डी समेत कुछ लोगों से जातिगत भेदभाव और दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। 1985 के सूसाई बनाम भारत सरकार से जुड़े एक केस में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि यदि कोई व्यक्ति ईसाई धर्म अपनाने के बाद दोबारा हिंदू धर्म में लौटता है, तो उसे एससी दर्जा प्राप्त करने के लिए विश्वसनीय प्रमाण और समुदाय की स्वीकृति की जरूरत होगी।

» (शेष पेज 04 पर)

वार्ता : स्टेट ऑफ होर्मुज और मिडिल ईस्ट के हालात पर हुई चर्चा, रिपोर्ट- अमेरिका से बातचीत को ईरान तैयार

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच ट्रंप-पीएम मोदी की पहली बातचीत

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। ईरान से जंग के बीच पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मंगलवार को फोन पर वार्ता की है। उन्होंने पीएम मोदी से मिडिल-ईस्ट के हालात और होर्मुज को खोलने के विकल्पों पर अहम बातचीत की है। इससे पहले पीएम मोदी खुद भी ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात कर चुके हैं। इसके अलावा वह सऊदी अरब से लेकर संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, बहरीन समेत मिडिल-

ईस्ट के अन्य सभी नेताओं से बारी-बारी से बातचीत कर चुके हैं। उन्होंने सभी नेताओं से मिडिल-ईस्ट में शांति स्थापित करने के लिए सहयोग की अपील की है। इजरायल-अमेरिका और ईरान के बीच जंग 25वें दिन में पहुंच गई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से जहाजों का रास्ता बाधित होना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन चुका है। पीएम मोदी चाहते हैं कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को संवाद के जरिये मानवता के लिए खोला जाना चाहिए। पीएम मोदी संवाद से शांति की अपील भी कर चुके हैं। ईरान के साथ इजरायल और अमेरिका की जंग छिड़ने के बाद ट्रंप ने मंगलवार को पहली बार पीएम मोदी से बातचीत की है। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुई बातचीत की पुष्टि की है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को पूरी तरह बंद कर रखा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की बड़ी धमकियों का भी ईरान पर कोई असर नहीं पड़ा है।

» (शेष पेज 04 पर)

> “पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट के जरिये ट्रंप से बातचीत का ब्यौरा साझा किया है। उन्होंने लिखा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुझे कॉल किया। पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति पर उनसे उपयोगी चर्चा हुई। भारत यथाशीघ्र तनाव में कमी और शांति की बहाली का समर्थन करता है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य को खुला, सुरक्षित और सभी के लिए सुलभ बनाए रखना पूरे विश्व के हित में अत्यंत आवश्यक है। हमने शांति और स्थिरता की दिशा में चल रहे प्रयासों पर संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।”

महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार : सुप्रीम कोर्ट

जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी पेंशन मिलेगी

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (SSC) की महिला अफसरों को पूरी पेंशन देने का आदेश दिया। जिन मामलों में महिला अफसर परमानेंट कमीशन (PC) नहीं मिलने के कारण पहले ही सेवा छोड़ चुकी थीं, उन्हें एकमुश्त राहत देते हुए 20 साल की सेवा पूरी मानकर पेंशन और अन्य लाभ देने का फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा- सशस्त्र बलों के भीतर मौजूद सिस्टमिक भेदभाद के कारण महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन से वंचित किया गया। महिलाओं को परमानेंट कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में

मौजूद भेदभाव का नतीजा था। पूरा मामला SSC के तहत नियुक्त महिला अफसरों की याचिकाओं से जुड़ा था, जिन्होंने PC देने की मांग की थी। SSC के तहत नियुक्त अफसर का कार्यकाल 10 साल का होता है, जिसे 4 साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद योग्यता के आधार पर परमानेंट कमीशन दिया जाता है। परमानेंट कमीशन नहीं मिलने पर उन्हें सेवा छोड़नी होती है। इसके खिलाफ महिला अफसरों ने पहले आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल (AFT) का रुख किया था।

सम्पादकीय

देर से आए और दुरुस्त नहीं आए

21 मार्च को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शाम साढ़े चार बजे के करीब सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी कि रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज़ बढ़ोतरी - ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। सरकार चाहे इसे 'नॉर्मल' बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, लघु और अतिलघु उद्योगों (एमएसएमई) को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोज़मर्रा की चीज़ों के दाम बढ़ेंगे, विदेशी निवेशकों का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाज़ार पर दबाव बढ़ेगा, यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। और यह सिर्फ वक्त की बात है - चुनाव के बाद पेट्रोल, डीज़ल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति - सिर्फ बयानबाज़ी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है- सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है। शनिवार को लिखी इस पोस्ट के बाद नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को आकर संसद में मध्यपूर्व में चल रहे युद्ध पर सरकार के नजरिए को सामने रखा। हालांकि युद्ध 28 फरवरी से चल रहा है और इस बीच संसद सत्र भी जारी ही था, तो प्रधानमंत्री के सामने पहले भी मौका था कि वे फौरन संसद से देश को संबोधित करते और बताते कि इस कठिन वक्त में वे देश को कौन सी राह पर आगे बढ़ाने वाले हैं। लेकिन यहां भी उन्हें संभवतः इंतजार था कि राहुल गांधी कुछ कहें तो वे आगे बढ़ें। हमेशा यही होता है। राहुल गांधी जिन मुद्दों को उठाते हैं, सरकार पहले उनका मजाक उड़ाती है, बाद में उसी पर आगे भी बढ़ती है। जाति जनगणना को स्वीकार करना या किसान आंदोलन में आखिरकार मानना कि कोई कमी रह गई है ये सब उसी के उदाहरण हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने सोमवार को जो कुछ संसद में कहा, उससे देश की मौजूदा समस्याओं के हल को लेकर कोई आस नहीं बंधी, दूसरी तरफ इस युद्ध को लेकर जो स्पष्ट नजरिया उन्हें रखना चाहिए था, उसमें भी वे चूक गए। युद्ध सही नहीं है या संवाद से समाधान निकालें, जैसे उपदेश देने का वक्त अब नहीं रहा। बल्कि नरेन्द्र मोदी के सामने पूरा मौका था कि वे अपनी संसद में, अपने ही लोगों के बीच, सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था के दायरे में अमेरिका और इजरायल को कहते कि ईरान पर युद्ध छेड़कर आपने ठीक नहीं किया। आपको किसी देश की संप्रभुता को चोट पहुंचाने का कोई हक नहीं है। नरेन्द्र मोदी ऐसा करते तो शायद आज विपक्ष भी उनके साथ ही खड़ा होता और इससे पूरी दुनिया में भारत की आवाज फिर से बुलंद होती। लेकिन मोदी ऐसा अनूठा मौका चूक गए। बल्कि वे अयातुल्लाह खामेनेई और मीनाब के प्राथमिक स्कूल में मारी गई बच्चियों की हत्या की निंदा भी न कर सके, न ही उन्हें श्रद्धांजलि दी। ऐसा करने से पिछली कई गलतियां माफ हो सकती थीं। नरेन्द्र मोदी ने ये भी नहीं बताया कि जब वे 26 फरवरी को इजरायल में थे, तो क्या उन्हें भनक नहीं थी कि ईरान पर कोई हमला होने वाला है, या इजरायल क्या सोच रहा है। वहां की संसद में जाकर हमास की आलोचना जब मोदी कर सकते हैं और गज़ा पर चुप रह सकते हैं, तब भी क्या नेतन्याहू को उन पर इतना भरोसा नहीं हुआ कि वह दो दिन बाद क्या होने वाला है, इस बारे में मोदी को संकेत दे सकें। फिर ट्रंप या नेतन्याहू के साथ घनिष्ठ मित्रता के दावे मोदी कैसे कर सकते हैं। नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को संसद में कहा कि इस युद्ध ने भारत के सामने भी अप्रत्याशित चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। इसका मतलब है कि अब तक सरकार सब ठीक होने के जो दावे करती रही है, वो खोखले ही थे। मोदी ने कहा कि भारत की संसद से भी यह संदेश दुनिया में जाना चाहिए कि संकट का जल्द समाधान हो। लेकिन प्रधानमंत्री स्पेन के प्रधानमंत्री की तरह अमेरिका और इजरायल को दो टूक नहीं कह सके कि युद्ध बंद करें। इस युद्ध के जवाबी वार में ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर नाकेबंदी की है, जिससे हर रोज लगभग दो करोड़ बैरल कच्चा तेल और तेल उत्पाद की आवाजाही प्रभावित हुई है और कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर चली गई हैं। इसमें भारत समेत तमाम देशों में ऊर्जा का संकट आया है। बाकी देश इस संकट से निपटने के लिए वास्तविक समाधान तलाश रहे होंगे, लेकिन भारत में मोदी पिछले 11 सालों की उपलब्धियां गिना रहे हैं कि पहले 27 देशों से ऊर्जा आयात होती थी, आज 41 देशों से हो रही है। हमारी रिफाइनिंग क्षमता में भी वृद्धि हुई है। हमारे पास 53 लाख मीट्रिक टन क्रूड ऑयल का रिजर्व है। पिछले 10-11 साल में इथेनॉल के उत्पादन और उसकी ब्लेंडिंग पर बहुत काम हुआ है। पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है। इससे भी बचत हो रही है। हमने मेट्रो का नेटवर्क बढ़ाया है। हमने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पर बहुत अधिक बल दिया। आज वैकल्पिक ईंधन पर जिस कदर काम हो रहा है, भारत का भविष्य और सुरक्षित होगा। अब सवाल है कि जब इतना सब है तो फिर उनके अपने गृहराज्य के सूरत शहर में कई उद्योग बंद क्यों हुए और प्रवासी मजदूरों को लौटना क्यों पड़ा, ये भी नरेन्द्र मोदी को बताना चाहिए।

आसाम में जेएमएम ने बन्द किए कांग्रेस के लिए दरवाजे

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन असम का दो बार दौरा कर चुके हैं, जिसमें उन्होंने आदिवासी पहचान और सामाजिक कल्याण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। असम दौरे के दौरान सोरेन ने कहा था कि असम में रहने वाले आदिवासी समुदाय देश के चाय उद्योग का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनके परिश्रम ने ही चाय उद्योग को पहचान दिलाई है।

आखिरकार अंतिम समय में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने असम में 21 सीटों पर विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। पार्टी ने कांग्रेस से गठबंधन की कोशिश की लेकिन सफलता नहीं मिली। कांग्रेस झामुमो को 7 सीट से अधिक देने को तैयार नहीं हुई। कांग्रेस को पता है कि असम में झामुमो की कोई खास पकड़ नहीं है। इसलिए उसने 7 सीटों से अधिक देना उचित नहीं समझा। दोनों तरफ से बारगेनिंग हुई। लेकिन बात नहीं बनी। यह स्वाभाविक राजनीतिक स्थिति है कि जिस राज्य में जिस पार्टी का दबदबा रहता है वह अपने हिसाब से गठबंधन करती है और सहयोगी दलों को सीट देती है। असम विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के निर्णय पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा है कि इस निर्णय से राज्य में आदिवासी मतों का बिखराव होगा। झामुमो ने सोमवार को 126 सदस्यों वाली असम विधानसभा के लिए 21 उम्मीदवारों की घोषणा की है।केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने असम विधानसभा चुनाव में झामुमो के साथ गठबंधन को लेकर गंभीर एवं सकारात्मक पहल की थी। झामुमो को पांच से सात सीटों का प्रस्ताव भी दिया गया था। यह भी आश्वासन दिया गया था कि जिन सीटों पर झामुमो चुनाव लड़ेगा, वहां वहां कांग्रेस का पूरा संगठनात्मक समर्थन रहेगा। कांग्रेस की मंशा स्पष्ट रूप से यह थी कि झामुमो के प्रतिनिधि असम विधानसभा में पहुंचे। लेकिन, झामुमो ने स्थानीय दलों के सहयोग को लेकर 21 सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी असम में झामुमो के चुनावी नतीजे के बारे में कोई अंदाजा नहीं लगाना चाहती, लेकिन हमें चिंता है कि झामुमो को यह फैसला आदिवासी वोटों को बांट सकता है। ऐसे में पार्टी ने अब अकेले चुनाव मैदान में उतरने का फैसला लिया है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि पार्टी 19 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि एक सीट भाकपा माले के लिए छोड़ी गई है। नामांकन की अंतिम तिथि कल ही होने के कारण पार्टी ने तेजी से रणनीति को अंतिम रूप दे दिया है। काफी समय से कयास लगाए जा रहे थे कि विपक्षी दल एक मजबूत गठबंधन के साथ बीजेपी के सामने खड़े होंगे। इसी सिलसिले में रांची से लेकर दिल्ली तक बैठकों का कई दौर चला। खुद असम कांग्रेस के प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह और गौरव गोगोई ने हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। बात यहीं नहीं रुकी, सोरेन खुद दिल्ली जाकर कांग्रेस आलाकमान से भी मिले, लेकिन हफ्तों की माथापच्ची के बाद भी सीटों के गणित पर कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी। अंततः, झामुमो ने हार मानकर अपने 19 उम्मीदवारों की सूची फाइनल कर दी है और उन्हें पार्टी का पारंपरिक चुनाव चिन्ह 'तीर-कमान' भी सौंप दिया गया है। झामुमो की इस अकेले चलने की जिद के पीछे एक सोची-समझी चुनावी रणनीति छिपी है। पार्टी का मुख्य ध्यान असम के उन इलाकों पर है जहां चाय बागानों में काम करने वाले लोग और आदिवासी समुदाय बड़ी संख्या में रहते हैं। इन समुदायों के साथ पार्टी का पुराना जड़ाव रहा है और उसे उम्मीद है कि यह वोट बैंक उसे जीत दिलाने में मदद करेगा। माजबत विधानसभा सीट से प्रीति रेखा बरला और सोनारी से बलदेव तेली जैसे चेहरों को उतारकर झामुमो ने यह साफ कर दिया है कि वह पूरी तैयारी के साथ मैदान में है। हालांकि, उसने विपक्षी एकजुटता का एक छोटा संदेश देते हुए बिहाली की सीट वामदलों (CPIML) के लिए छोड़ दी है। असम की इस टूट का असर केवल वहीं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसकी तपिश झारखंड की राजनीति में भी महसूस की जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस घटनाक्रम से दोनों दलों के बीच तल्खी बढ़ सकती है, जिसका असर आगामी राज्यसभा चुनावों पर पड़ेगा। झारखंड में जल्द ही राज्यसभा की दो सीटों के लिए चुनाव होने हैं। अभी तक माना जा रहा था कि एक सीट कांग्रेस के खाते में जा सकती है, लेकिन अब राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि झामुमो दोनों ही सीटों पर अपना दावा ठोक सकती है। लेकिन अंतिम दोनों में भाजपा क्या खेल करती है और झामुमो क्या रुख रहता है इस पर बहुत कुछ निर्भर करेगा। इसलिए राज्यसभा का चुनाव झारखंड की राजनीति में टर्निंग पॉइंट हो सकता है।यह देखना दिलचस्प होगा कि झारखंड की सत्ता में साझेदार ये दो दल इस कड़वाहट को रांची की गलियों तक पहुंचने से कैसे रोकते हैं। असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होना है। राज्य की 126 सीटों के लिए हो रहे इस चुनाव में फिलहाल बीजेपी का

पलड़ा भारी दिख रहा है, जिसने 2021 के चुनाव में 60 सीटें जीती थीं। अब जब विपक्षी एकता में सेंध लग चुकी है, तो आम मतदाता के मन में सवाल है कि क्या झामुमो अपने दम पर वोट काटकर कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी या खुद के लिए एक नया आधार खड़ा करेगी। 4 मई को जब चुनावी नतीजे आएंगे, तभी पता चलेगा कि हेमंत सोरेन का यह साहसी फैसला कितना सही साबित हुआ। अब सवाल उठता है कि असम में झामुमो के चुनाव लड़ने से कांग्रेस के साथ उसके रिश्ते पर क्या असर पड़ेगा? असम में चुनाव लड़ने से किसको फायदा होने वाला है? वोटों के बिखराव का लाभ किसको मिलेगा ? भाजपा, कांग्रेस या खुद झामुमो कोई असर डाल पाएगा। आखिर झामुमो की रणनीति क्या है। किस भूमिका में वहां नजर आएगी। सिर्फ चाय बागान में काम करने वाले झारखंड के आदिवासियों के भरोसे झामुमो को कितना वोट मिलने वाला है। आदिवासी वोटों पर झामुमो की नजर है। चाय बागान में काम करने वाले आदिवासियों को अपनी ओर करने के लिए भाजपा ने कई घोषणाएं की हैं। आदिवासियों का समर्थन इसके पहले के चुनाव में भाजपा और कांग्रेस को मिलता रहा है। अब झामुमो ने वहां एंट्री की है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासियों के नेता के रूप में दूसरे प्रदेशों में भी स्थापित होना चाहते हैं। जहां-जहां आदिवासी हैं वहां उनकी नजर है। इसी उद्देश्य से उन्होंने असम में चुनाव लड़ने का फैसला लिया है। हालांकि झामुमो ने फैसले में बहुत देर कर दी है। गठबंधन की आस में नामांकन के अंतिम दिन चुनाव मैदान में जाने का फैसला लिया है। इधर, एक सवाल यह भी उठ रहा है कि झामुमो के चुनाव लड़ने से भाजपा को फायदा हो सकता है। वोटों का बिखराव होगा और इसका सीधा लाभ बीजेपी को मिलेगा। यदि इसका लाभ भाजपा को मिला तो कांग्रेस के साथ झामुमो के रिश्ते में दरार पड़ सकती है। कांग्रेस का एक खेमा यह मान रहा है कि हेमंत सोरेन अंदर से भाजपा को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ही असम में चुनाव लड़ रहे हैं, क्योंकि वहां उनका कोई आधार नहीं है। सिर्फ चाय बागान में काम करने वाले आदिवासियों के नाम पर चुनाव लड़ने से कोई लाभ होने वाला नहीं है। झामुमो को कोई सीट मिलने वाली नहीं है। हेमंत सोरेन असम तो चले गए लेकिन पड़ोसी प्रदेश पश्चिम बंगाल जहां आदिवासियों की अच्छी खासी संख्या है वहां चुनाव लड़ने पर चुप क्यों है।

अशोक भाटिया

जन सुराज का...

प्रमोद दीक्षित मलय

गणेश शंकर विद्यार्थी : पत्रकारिता का गौरवमय किरीट

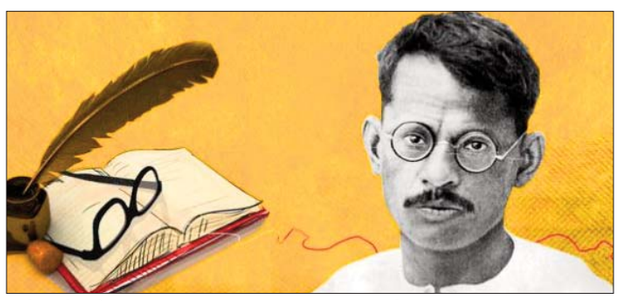

अंग्रेजी शासन से मुक्ति और स्वराज्य प्राप्ति के लिए 1857 से आरम्भ हुआ स्वाधीनता संघर्ष 1947 में पूर्ण हुआ। इस यात्रा में देश के विविध क्षेत्रों से हजारों नर-नारियों ने योगदान दिया है। अपना सर्वस्व समर्पण करके मां भारती के गौरव एवं गरिमा में वृद्धि की है। भारतीय राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में समाज जागरण करते हुए राष्ट्रीय एकात्मकता का भाव भरने के क्रम में पत्र-पत्रिकाओं की भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस श्रृंखला में कानपुर से प्रकाशित साप्ताहिक राष्ट्रीय समाचार पत्र 'प्रताप' का नाम सर्वप्रथम अंकित है जो अपने तेज-ओज, गाम्भीर्य और राष्ट्रवादी तेवर के कारण भारतीय जन मानस का कंठहार पत्र बन सतत नवल उत्साह का संचार कर ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध प्राण फूंकता रहा तो वहीं अंग्रेजों की आंखों में किरकिरी बन उनके हृदय को कचोटता भी रहा। 'प्रताप' के संपादक गणेश शंकर विद्यार्थी अपनी अग्निधर्मी लेखनी और उग्र राष्ट्रवादी लेखों के कारण अंग्रेजी सत्ता के कोप भाजन भी बने, पर वह अपने साधना पथ से किंचित भी न डिगे, न रुके बल्कि कहीं अधिक प्रज्वल प्रखर निर्भय होकर किसानों, मजदूरों और आमजन की कठिनाईयों को स्वर देते रहे, अंग्रेजी दमनकारी नीति का विरोध करते रहे। वह हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रबल समर्थक थे। वे समान भाव से दोनों पक्षों की एकजुटता के लिए धरातल तैयार करते रहे। किंतु समय का कैसा विरोधाभास है कि पांथिक एकता, सामाजिक सद्भाव एवं सौहार्द, मानवीय मूल्यों के लिए पल-पल जीने वाले गणेश शंकर विद्यार्थी 25 मार्च, 1931 को कानपुर के सम्प्रदायिक दंगे की भेंट चढ़ गये। भारत माता के इस वीर सपूत का शव अस्पताल में चार दिन शवों के ढेर में पड़ा सड़ता रहा और फूल गया। दैवयोग से, 29 मार्च को किसी ने विद्यार्थी जी के शव की शिनाख्त की तो अंतिम संस्कार सम्पन्न हुआ, तब पूरा देश शोक-सिंधु में डूबे गया। निश्चितरूप से कलम के धनी गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता के गौरवमय किरीट हैं। गणेश शंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर, 1890 को अपने ननिहाल इलाहाबाद के अतरसुइया मोहल्ले में कायस्थ परिवार में हुआ था। पिता मुंशी जयनारायण श्रीवास्तव तत्कालीन मध्यभारत के मुंगावली में एक विद्यालय में शिक्षक थे और माता गोमती देवी एक सामान्य गृहिणी। नाना सूरज प्रसाद श्रीवास्तव सहायक जेलर थे, इस कारण घर-परिवार में नियम-अनुशासन का सख्त वातावरण था, जिसका प्रभाव विद्यार्थी जी पर पड़ा। उनकी प्राथमिक शिक्षा मुंगावली और विदिशा में पिता की देखरेख में पूरी हुई। परिवार में आर्थिक कठिनाई के कारण संस्थागत पढ़ाई का क्रम खंडित हुआ और आपने हाईस्कूल की परीक्षा व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में उत्तीर्ण कर करेंसी ऑफिस, कानपुर में लिपिक पद पर काम कर परिवार के आर्थिक सुदृढ़ीकरण के अवलम्ब-आधार बने। फारसी और उर्दू के साथ अंग्रेजी पर भी समान अधिकार था, तभी तो विक्टर ह्यूगो के उपन्यास 'नाइनटी थ्री' का हिंदी अनुवाद करने में सफल हुए। अंग्रेजी सत्ता के विरोद्ध अपने स्वभाव के कारण करेंसी ऑफिस में अधिक समय तक कार्य न कर सके और नौकरी छोड़नी पड़ी। पढ़ने-लिखने में रुचि थी ही। छात्र जीवन से ही तत्कालीन प्रमुख पत्रिकाओं 'कर्मयोगी' एवं 'स्वराज्य' से जुड़े रहे। इन पत्रों में आपकी रचनाएं भी छपीं तो प्रोत्साहन मिला। 16 वर्ष की अवस्था में 'हमारी आत्मोत्सर्गता' नामक पुस्तक लिखी। हीरे की चमक बिखर रही थी। आपके लेख पढ़कर पं. महावीर द्वावेदी बहुत प्रभावित हुए और 'सरस्वती' पत्रिका में उप संपादक पद पर काम करने का प्रस्ताव रखा। विद्यार्थी जी 'सरस्वती' में काम करने लगे। पं. महावीर द्विवेदी का सान्निध्य मिला तो कंचन कुंदन बन निखर गया किंतु विद्यार्थी जी का मन साहित्यिक पत्रिका में नहीं रमा क्योंकि उनमें राजनीति, राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और सार्वजनिक जीवन के मुद्दों पर लिखने और अपने विचार समाज तक ले जाने की इच्छा-आकांक्षा बलवती हो रही थी। फलतः आप महामना मदनमोहन मालवीय के पत्र 'अभ्युदय' से जुड़ इलाहाबाद आ गये पर मन में कसक अभी बाकी थी. लगता था कि कुछ विशेष करना है जिसके लिए अपना प्रेस स्थापित कर एक पत्र निकालना होगा। यह स्वप्न विद्यार्थी जी को 1913 में कानपुर ले आया। समान विचार के साथी माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा नवीन, कृष्णदत्त पालीवाल, देवव्रत शास्त्री, सुरेशचंद्र भट्टाचार्य एवं युगल किशोर सिंह का सहयोग-सम्बल मिला और अक्टूबर 1913 में साप्ताहिक पत्र 'प्रताप' के विचार स्वप्न को साकार करने की रूपरेखा तैयार हुई और 9 नवम्बर, 1913 को 'प्रताप' का प्रवेशांक लोक सम्मुख प्रकाशित हुआ। 'प्रताप' की नीति के बारे में पहले अंक में ही विद्यार्थी जी ने अग्रलेख में लिखा, ₹समस्त मानवजाति का कल्याण हमारा परमोद्देश्य है। हम अपने देश और समाज की सेवा के पवित्र काम का भार अपने ऊपर लेते हैं। किसी की प्रशंसा या अप्रशंसा, किसी की प्रसन्नता या अप्रसन्नता, किसी की घुड़की या धमकी हमें अपने कर्तव्य मार्ग से न विचलित कर सकेगी। सत्य और न्याय हमारे भीतरी पथ-प्रदर्शक होंगे।

विभिन्न अंतरराष्ट्रीय...

डॉ. शैलेश शुक्ला

अत्यंत गंभीर है कृत्रिम मेधा के विकास में भारतीय भाषाओं के डाटा की कमी का मामला

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में कृत्रिम मेधा या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विश्व की सबसे प्रभावशाली तकनीकों में से एक बन चुकी है। स्वास्थ्य, शिक्षा, उद्योग, मीडिया, प्रशासन और व्यापार जैसे अनेक क्षेत्रों में इसका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इस तकनीक की सफलता का एक महत्वपूर्ण आधार विशाल मात्रा में उपलब्ध डिजिटल डेटा होता है। कृत्रिम मेधा के मॉडल उसी भाषा और विषय को बेहतर समझ पाते हैं जिसके बारे में पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण डेटा उपलब्ध हो। यही कारण है कि विश्व स्तर पर एआई तकनीक अंग्रेजी जैसी भाषाओं में अधिक प्रभावी दिखाई देती है, जबकि अनेक अन्य भाषाएँ तकनीकी विकास की इस दौड़ में पीछे रह जाती हैं। भारत जैसे बहुभाषी देश में यह स्थिति एक गंभीर चुनौती के रूप में सामने आ रही है, क्योंकि यहाँ भाषाई विविधता अत्यंत व्यापक है लेकिन भारतीय भाषाओं के लिए उपलब्ध डिजिटल डेटा अभी भी सीमित है। यही कारण है कि विशेषज्ञ लगातार यह चेतावनी दे रहे हैं कि यदि भारतीय भाषाओं के लिए पर्याप्त डेटा का विकास नहीं किया गया तो एआई तकनीक के लाभ समाज के बड़े हिस्से तक नहीं पहुँच पाएँगे। भारत की भाषाई विविधता को समझना इस समस्या की गंभीरता को स्पष्ट करता है। भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 19,500 से अधिक मातृभाषाएँ और बोलियाँ दर्ज की गई थीं। इनमें से लगभग 121 भाषाएँ ऐसी हैं जिनके बोलने वालों की संख्या 10,000 से अधिक है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को आधिकारिक मान्यता प्राप्त है, जिनमें हिंदी, बंगाली, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, उर्दू, पंजाबी, असमिया और ओड़िया जैसी प्रमुख भाषाएँ शामिल हैं। इन भाषाओं को करोड़ों लोग बोलते हैं और इनके साहित्य, संस्कृति और सामाजिक जीवन की समृद्ध परंपरा रही है। इसके बावजूद डिजिटल दुनिया में इन भाषाओं की उपस्थिति अपेक्षाकृत कम है। इंटरनेट पर उपलब्ध सामग्री का अधिकांश भाग अभी भी अंग्रेजी भाषा में है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार वैश्विक वेब सामग्री का एक बड़ा हिस्सा अंग्रेजी में उपलब्ध है, जबकि अनेक भाषाओं की डिजिटल उपस्थिति सीमित है। यही असंतुलन कृत्रिम मेधा के विकास में भी दिखाई देता है। कृत्रिम मेधा के आधुनिक मॉडल, विशेष रूप से भाषा आधारित प्रणालियाँ, विशाल डिजिटल पाठ और भाषाई डेटा के आधार पर प्रशिक्षित होती हैं। यदि किसी भाषा में पर्याप्त डिजिटल सामग्री उपलब्ध नहीं है, तो उस भाषा के लिए विकसित एआई मॉडल अपेक्षाकृत कमजोर या सीमित क्षमता वाले होते हैं। भारत के संदर्भ में यही समस्या सबसे बड़ी चुनौती बनकर उभर रही है। हिंदी, तमिल, बंगाली और मराठी जैसी प्रमुख भाषाओं के लिए कुछ हद तक डिजिटल संसाधन उपलब्ध हैं, लेकिन कई अन्य भाषाओं और बोलियों के लिए यह संसाधन अत्यंत सीमित हैं। इसका परिणाम यह होता है कि एआई आधारित अनुवाद, वाणी पहचान, पाठ विश्लेषण और डिजिटल सहायक जैसी सेवाएँ भारतीय भाषाओं में उतनी प्रभावी नहीं हो पातीं जितनी अंग्रेजी में होती हैं।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

रामस्वरूप रावतसरे

ट्रांसजेंडर अधिकारों का संरक्षण -अहम बदलाव प्रस्तावित है संशोधित विधेयक 2026 में

भारत में ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों और उनकी पहचान से जुड़े कानून में बड़ा बदलाव लाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक नया कदम उठाया है। 13 मार्च 2026 को सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेंद्र कुमार ने लोकसभा में ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026 पेश किया। यह विधेयक पहले से लागू ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 यानी ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) एक्ट, 2019 में कई अहम बदलाव प्रस्तावित करता है। सरकार का कहना है कि 2019 के कानून को लागू करते समय यह महसूस किया गया कि 'ट्रांसजेंडर व्यक्ति' की परिभाषा बहुत व्यापक और अस्पष्ट है जिसके कारण यह तय करना मुश्किल हो रहा था कि वास्तव में किन लोगों को इस कानून के तहत मिलने वाले संरक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ मिलना चाहिए। इसी वजह से नया संशोधन विधेयक ट्रांसजेंडर व्यक्ति की अधिक स्पष्ट परिभाषा तय करने, पहचान प्रमाण पत्र जारी करने की प्रक्रिया में बदलाव करने, गंभीर अपराधों के लिए सख्त सजा का प्रावधान करने और प्रशासनिक ढाँचे में सुधार करने का प्रयास करता है। सरकार के अनुसार इस संशोधन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कानून का संरक्षण उन लोगों तक पहुँचे जो बायोलॉजिकल कारणों की वजह से समाज में गंभीर भेदभाव और बहिष्कार का सामना करते हैं। जानकारी के अनुसार नए संशोधन विधेयक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू ट्रांसजेंडर व्यक्ति की परिभाषा में बदलाव है। प्रस्तावित प्रावधान के अनुसार ट्रांसजेंडर व्यक्ति उन लोगों को माना जाएँगे जिनकी सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान किन्नर, हिजड़ा, अरवानी, जोगता या नपुंसक जैसे पारंपरिक समुदायों से जुड़ी होती है। भारत में लंबे समय से इन समुदायों को सामाजिक रूप से ट्रांसजेंडर पहचान के रूप में देखा जाता रहा है। इसके साथ ही ऐसे लोगों को भी ट्रांसजेंडर की श्रेणी में शामिल किया गया है जिनमें जन्म से बायोलॉजिकल डायवर्सिटी होती हैं जिन्हें इंटरसेक्स डायवर्सिटी कहा जाता है। इसका मतलब उन व्यक्तियों से है जिनके शरीर में जन्म के समय पुरुष या महिला के सामान्य विकास से अलग बायोलॉजिकल लक्षण पाए जाते हैं। विधेयक में यह भी कहा गया है कि यदि किसी व्यक्ति या बच्चे को जबरन अंग-भंग, मजबूर कर के, लिंब एम्पुटेशन या किसी सर्जिकल, रासायनिक अथवा हार्मोनल प्रक्रिया के माध्यम से ट्रांसजेंडर पहचान अपनाने के लिए मजबूर किया गया हो तो ऐसे मामलों को भी ट्रांसजेंडर व्यक्ति की श्रेणी में शामिल माना जाएगा। इस संशोधन विधेयक में एक महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण भी दिया गया है। इसमें कहा गया है कि केवल अलग-अलग सेक्सुअल ओरिएंटेशन रखने वाले लोग या अपनी सेल्फ रीलज़ैशन लैंगिक पहचान के आधार पर स्वयं को किसी अन्य जेंडर के रूप में बताने वाले व्यक्ति इस एक्ट के तहत ट्रांसजेंडर की परिभाषा में शामिल नहीं होंगे। सरकार के अनुसार 2019 के कानून में परिभाषा बहुत व्यापक होने के कारण यह तय करना मुस्किल हो गया था कि वास्तविक रूप से किन लोगों को इस कानून के तहत मिलने वाले लाभ और संरक्षण दिए जाएँ। इसलिए संशोधन विधेयक में यह स्पष्ट किया गया है कि ट्रांसजेंडर पहचान केवल व्यक्तिगत पसंद, विशेषता या स्वयं घोषित पहचान के आधार पर नहीं दी जा सकती। ट्रांसजेंडर पहचान से जुड़ा प्रमाण पत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया में भी महत्वपूर्ण बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं। अभी तक व्यवस्था यह थी कि कोई व्यक्ति अपनी सेल्फ रीलज़ैशन के आधार पर आवेदन करता था और जिला मजिस्ट्रेट दस्तावेजों की जाँच के बाद प्रमाण पत्र जारी करते थे लेकिन नए संशोधन के तहत पहचान की प्रक्रिया में मेडिकल बोर्ड को शामिल किया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार एक डेसिग्नेटेड मेडिकल बोर्ड बनाया जाएगा जिसकी अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी या उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी करेंगे। यह बोर्ड संबंधित व्यक्ति के मामले की जाँच करेगा और अपनी सिफारिश देगा। इसके बाद जिला मजिस्ट्रेट उस सिफारिश की समीक्षा करेंगे और उसके आधार पर ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाण पत्र जारी करेंगे। यदि आवश्यक समझा गया तो जिला मजिस्ट्रेट अन्य मेडिकल एक्सपर्ट से भी सलाह ले सकते हैं। 2019 के एक्ट की धारा 4(2) में यह प्रावधान था कि किसी व्यक्ति को अपनी सेल्फ रीलज़ैशन लैंगिक पहचान के आधार पर ट्रांसजेंडर के रूप में मान्यता मिल सकती है। नए संशोधन विधेयक में इस प्रावधान को हटाने का प्रस्ताव किया गया है। सरकार का कहना है कि इस प्रावधान के कारण पहचान की प्रक्रिया में कई व्यावहारिक समस्याएँ सामने आ रही थीं और कानून के कई प्रावधानों को लागू करना मुश्किल हो रहा था। इसलिए पहचान के लिए अब चिकित्सा मूल्यांकन और प्रशासनिक जाँच को आवश्यक बनाने का प्रस्ताव किया गया है। यदि कोई व्यक्ति जेंडर परिवर्तन सर्जरी कराता है तो उसके बाद की कानूनी प्रक्रिया में भी संशोधन प्रस्तावित किया गया है। विधेयक के अनुसार जिस चिकित्सा संस्थान में सर्जरी की जाएगी, उसे संबंधित व्यक्ति की जानकारी जिला प्रशासन को देनी होगी। इसके बाद व्यक्ति को चिकित्सा अधीक्षक या मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण पत्र के साथ जिला मजिस्ट्रेट के पास आवेदन करना होगा। संशोधन विधेयक में यह भी प्रावधान किया गया है कि जिस व्यक्ति को ट्रांसजेंडर पहचान प्रमाण पत्र मिल जाता है, उसे अपने जन्म प्रमाण पत्र और अन्य सरकारी दस्तावेजों में अपना पहला नाम बदलने का अधिकार होगा। इसका उद्देश्य यह है कि ट्रांसजेंडर व्यक्तियों की सामाजिक पहचान को कानूनी मान्यता मिले और उन्हें सरकारी दस्तावेजों में अपनी पहचान से जुड़ी परेशानियों का सामना न करना पड़े। नए विधेयक में ऐसे मामलों के लिए अलग-अलग स्तर की सजाएँ तय की गई हैं। यदि किसी व्यक्ति का अपहरण करके उसे ट्रांसजेंडर पहचान अपनाने के लिए मजबूर किया जाता है और इस प्रक्रिया में अंग-भंग या अन्य किसी भी तरह से गंभीर शारीरिक नुकसान पहुँचाया जाता है तो दोषी को दस साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है और कम से कम दो लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि ऐसा अपराध किसी बच्चे के साथ किया जाता है तो सजा आजीवन कारावास तक हो सकती है और काम से काम पाँच लाख रुपए का जुर्माना लगाया जा सकता है।

साउथ अफ्रीका दौरे के लिए भारतीय महिला टी-20 टीम घोषित

हरमनप्रीत संभालेंगी कप्तानी, स्मृति मंधाना उपकप्तान बनीं, 17 अप्रैल से शुरू होगी 5 मैचों की सीरीज

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने महिला क्रिकेट टीम की घोषणा कर दी है, जो 17 अप्रैल से साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। टीम की कमान अनुभवी ऑलराउंडर हरमनप्रीत कौर को सौंपी गई है, जबकि स्मृति मंधाना टीम की उपकप्तान के रूप में टीम का मार्गदर्शन करेंगी। चयन समिति ने टीम में अनुभव और युवा जोश का संतुलित मिश्रण रखा है। बल्लेबाजी क्रम में विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की क्षमता टीम के लिए अहम साबित हो सकती है, खासकर दक्षिण अफ्रीका की उछाल भरी पिचों पर। अनुभवी खिलाड़ियों के नेतृत्व में युवा खिलाड़ियों के दमखम को देखने का यह सही समय है। गेंदबाजी विभाग में भी संतुलन देखने को मिलता है। तेज

गेंदबाजी की जिम्मेदारी रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी के कंधों पर होगी। रेणुका सिंह अपनी स्विंग और नई गेंद से विकेट लेने की क्षमता के लिए जानी जाती हैं, जबकि अरुंधति रेड्डी डेथ ओवर्स में अहम भूमिका निभा सकती हैं।स्पिन विभाग में श्रेयंका पाटिल और काश्वी गौतम जैसे युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। ये खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं और अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने का मौका मिलेगा।इसके अलावा टीम में क्रांति गौड़, श्री चरणी, भारती फुलमाली और अनुष्का शर्मा जैसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने हाल के मैचों और घरेलू सर्किट में बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

टीम में ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा भी शामिल हैं, जो गेंद और बल्ले दोनों से मैच के रुख को पलट सकती हैं। इसके साथ ही ऋचा घोष और उमा छेत्री को विकेटकीपर के विकल्प के रूप में टीम में जगह मिली है।

गेंदबाजी विभाग में अनुभव और नई प्रतिभाओं का मिश्रण

गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर और अरुंधति रेड्डी संभालेंगी। स्पिन विभाग में श्रेयंका पाटिल और काश्वी गौतम जैसे युवा और उभरते चेहरे शामिल किए गए हैं। टीम में अन्य प्रमुख खिलाड़ियों में क्रांति गौड़, श्री चरणी, भारती फुलमाली और अनुष्का शर्मा शामिल हैं। चयनकर्ताओं ने इन खिलाड़ियों को घरेलू प्रदर्शन और पिछले अंतरराष्ट्रीय दौरों में किए गए शानदार योगदान के आधार पर चुना है। इस दौरे के दौरान टीम का प्रदर्शन महिला क्रिकेट में भारत की ताकत और गहराई को दिखाने का अवसर होगा।

मुकाबले होंगे डरबन, जोहान्सबर्ग और बेनोनी में

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का आगाज 17 अप्रैल को डरबन में होगा। पहले दो मैच इसी शहर में आयोजित किए जाएंगे। इसके बाद तीसरा और चौथा टी-20 जोहान्सबर्ग में खेला जाएगा, जबकि सीरीज का आखिरी मैच 27 अप्रैल को बेनोनी में होगा। साउथ अफ्रीका की उछाल भरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों को अपनी तकनीक और अनुभव का परिचय देना होगा। टीम के लिए यह दौरा वर्ल्ड कप की तैयारियों में अहम भूमिका निभाएगा।

मैच का समय और भारतीय दर्शकों के लिए सुविधा

भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए अच्छी खबर यह है कि सभी मैच शाम के समय आयोजित होंगे। शेड्यूल के अनुसार, मैच भारतीय समय (IST) के अनुसार शाम 5:30 बजे और रात 9:30 बजे से शुरू होंगे। BCCI का मानना है कि यह दौरा भारतीय महिला टीम को आगामी वर्ल्ड कप और अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की तैयारियों के लिए मजबूती प्रदान करेगा।

बेंगलुरु भगदड़ के मृतकों को अनूठी श्रद्धांजलि

बेंगलुरु के एम चिन्नस्वामी स्टेडियम में खेले जाने वाले IPL और इंटरनेशनल मैचों में 11 सीटें हमेशा खाली रखी जाएंगी। वहीं, स्टेडियम के एंट्री गेट पर स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) और हर मैच से पहले एक मिनट का मौन भी रखा जाएगा, जिसमें दोनों टीमें हिस्सा लेंगी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) और कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (KSCA) ने पिछले साल एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुए भगदड़ में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह खास पहल की है। 4 जून 2025 को RCB की पहली IPL ट्रॉफी जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के बाहर भगदड़ मचने में 11 लोगों की मौत हो गई थी। भगदड़ वाली घटना की याद में RCB और KSCA ने स्टेडियम में एक स्मारक पट्टिका (मेमोरियल प्लाक) लगाने और 11 सीटों को हमेशा खाली रखने का फैसला किया है। ये सीटें इंटरनेशनल मैच में भी उन 11 लोगों की याद में कभी बेची नहीं जाएंगी। वहीं, स्मारक पट्टिका को स्टेडियम के एंट्री गेट के पास लगाया जाएगा, ताकि यह जगह हमेशा श्रद्धांजलि का प्रतीक बनी रहे।

फास्ट न्यूज़

ध्रुव राठी पर भड़के धुरंधर एक्टर

नई दिल्ली। यूट्यूबर ध्रुव राठी के धुरंधर 2 को प्रोपेगेंडा बताए जाने पर एक्टर नवीन कौशिक नाराज हो गए हैं। धुरंधर 1 में 'डोंगा' का किरदार निभाने वाले एक्टर नवीन कौशिक ने कहा है कि, जिंदगी का हर पहलू पॉलिटिक्स से जुड़ा है, चाहे वह नेशनल पॉलिटिक्स हो या आपसी रिश्ते। कोई भी अच्छी फिल्म किसी न किसी तरह की आइडियोलॉजी को जरूर दिखाएगी।

कोलंबिया में वायुसेना का विमान क्रैश

बोगोटा। कोलंबिया में सोमवार को एयरफोर्स का हरक्यूलिस C-130 विमान टेक-ऑफ के दौरान क्रैश हो गया। हादसे में अब तक 66 लोगों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा घायल हो गए। जबकि 4 सैनिक अभी भी लापता है। एक सैन्य सूत्र ने AFP को बताया कि 58 सैनिक, छह वायुसेना कर्मी और दो पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। यह हादसा पेरू सीमा के पास दक्षिणी अमेजन क्षेत्र के प्यूर्टो लेगुइजामो में हुआ। रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने बताया कि विमान रनवे से करीब 1.5 किलोमीटर दूर जाकर गिरा। विमान में 114 सैनिक और 11 क्रू मेंबर सवार थे। कोलंबिया की सेना ने बताया कि इस हादसे में करीब 80 सैनिकों के मारे जाने की आशंका है कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने सैन्य विमान हादसे पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर हादसा है।

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप

टेक्सास। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है। यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है।

पैन इंडिया फिल्म में पवन सिंह की एंट्री

'डकैत एक प्रेम कथा' में गाएंगे गाना 'टच बेबी'

नई दिल्ली, एजेंसी

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह को अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की अपकमिंग पैन-इंडिया फिल्म 'डकैतः एक प्रेम कथा' में शामिल किया गया है। मेकर्स ने आधिकारिक पोस्टर के जरिए यह जानकारी दी। पवन सिंह फिल्म के गाने में अपनी आवाज देंगे। फिल्म के मेकर्स ने सोमवार को आधिकारिक पोस्टर जारी कर पवन सिंह की एंट्री कंफर्म की। पोस्टर के साथ बताया गया कि पवन सिंह फिल्म के हिंदी वर्जन में एक डांस नंबर गाएंगे। मेकर्स के अनुसार, फिल्म का गाना 'टच बेबी', 28 मार्च को रिलीज किया जाएगा। पोस्टर में दर्शकों को धमाकेदार गाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। गौरतलब है कि पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री के बड़े स्टार माने जाते हैं और उनकी मजबूत फैन फॉलोइंग है। उन्होंने फिल्म 'स्त्री 2' में

गाना 'आई नहीं' गाया था, जिसके बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में उनकी मांग बढ़ी है। फिल्म डकैतः एक प्रेम कथा में अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर के अलावा अनुराग कश्यप एक पुलिस ऑफिसर के किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म का डायरेक्शन शेनिल देव कर रहे हैं। कहानी लव, धोखे और रिवेंज पर आधारित है, जिसमें एक एक्स-लवर अपने साथ हुए विश्वासघात का बदला लेने निकलता है।

रजनीकांत ने धुरंधर 2 की तारीफ की

आदित्य धर को बॉक्स ऑफिस का बाप बताया, हर भारतीय से फिल्म देखने की अपील की

मुंबई, एजेंसी

सुपरस्टार रजनीकांत ने फिल्म धुरंधर 2 की तारीफ की और इसे मस्ट वॉच फिल्म बताया। फिल्म डायरेक्टर आदित्य धर ने इसे अपने करियर का खास और इमोशनल मोमेंट बताया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर सोमवार को रजनीकांत ने धुरंधर 2 की तारीफ करते हुए लिखा, 'क्या फिल्म है... धुरंधर 2। आदित्य धर बॉक्स ऑफिस के बाप हैं! रणवीर और पूरी कास्ट व क्रू को बहुत-बहुत बधाई। हर भारतीय के लिए यह फिल्म देखना जरूरी है। जय हिंद।' रजनीकांत की तारीफ पर प्रतिक्रिया देते हुए आदित्य धर ने लिखा, 'सर, हम सब एंटरटेनमेंट को सिर्फ आपके एक ही बेंचमार्क से मापते हुए बड़े हुए हैं। दशकों से हमें सीटी बजाने, हंसाने, रुलाने और खुद को बड़ा महसूस कराने के साथ, उसी स्वैग और ग्रेस के साथ यह सब करना, यह प्योर मेजिक है।' उन्होंने आगे लिखा, 'आपका धुरंधर 2 को मस्ट वॉच कहना, मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सुपरस्टार मोमेंट जैसा लगता है। यह उसी शख्स का आशीर्वाद लगता है,

जिसने हम सभी को बड़े सपने देखना सिखाया। शब्दों से परे आभारी हूं, सर। यह सीधे दिल को छू गया। जय हिंद।' आर माधवन और सभी कलाकारों का शानदार प्रदर्शन है। टेक्निकल लेवल पर भी फिल्म कमाल की है। मुझे गर्व है कि हमारे देश में मेरे भाई रणवीर सिंह जैसे बेहतरीन और बहुमुखी अभिनेता हैं। रणवीर सिंह फायर हैं। आदित्य धर ने कमाल कर दिया, वे पूरी तरह छा गए। हमारे देश में उनके जैसे शानदार फिल्ममेकर्स होना गर्व की बात है। एक भारतीय कहानी... इंटरनेशनल स्वैग के साथ! जय हिंद। इसके अलावा राम चरण और जूनियर एनटीआर ने भी फिल्म धुरंधर 2 की तारीफ की थी।

रजनीकांत से पहले कई साउथ एक्टर्स ने भी फिल्म की तारीफ की है। एक्स पर फिल्म को लेकर एक्टर महेश बाबू ने लिखा था, धुरंधरः द रिवेंज एकदम शानदार तरीके से बनाई गई धमाकेदार फिल्म है! रणवीर का अब तक का सबसे शानदार रूप देखने को मिला है। आदित्य धर ने इसे जिस तरह से सोचा और पेश किया है, वह वाकई काबिल-ए-तारीफ है। आर माधवन की एक्टिंग और शाश्वत सचदेव का म्यूजिक खास तौर पर शानदार है। यह फिल्म देखने और जश्न मनाने लायक है। पूरी टीम को बधाई।

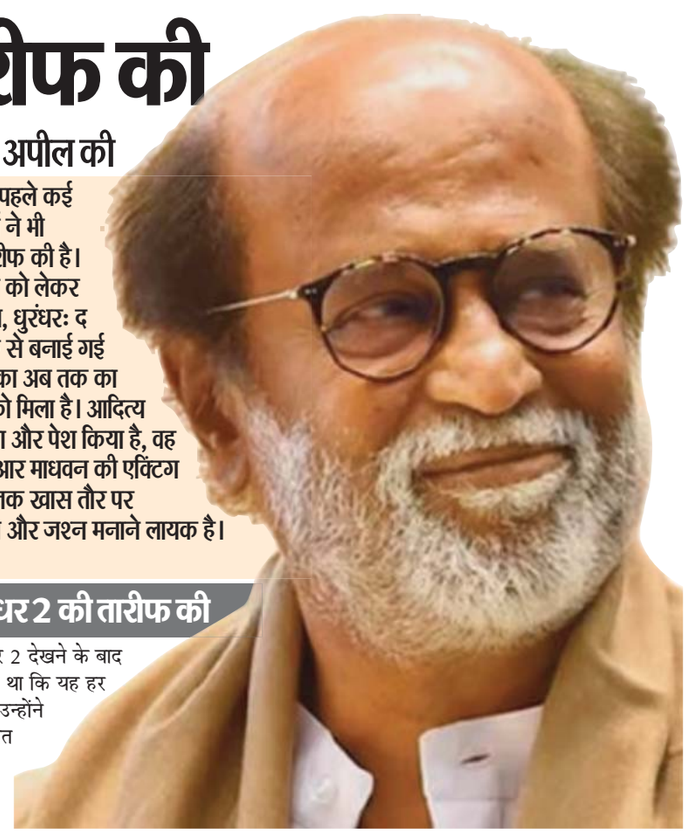

अल्लू अर्जुन ने भी धुरंधर 2 की तारीफ की

अल्लू अर्जुन ने भी फिल्म धुरंधर 2 देखने के बाद इसकी तारीफ की थी। उन्होंने कहा था कि यह हर भारतीय को गर्व महसूस कराएगी। उन्होंने रणवीर सिंह और आर माधवन समेत फिल्म की पूरी स्टार कास्ट की परफॉर्मेंस की भी सराहना की। यह एक ऐसी फिल्म है।

ईरान पर हमले ने हमें सच साबित किया, जीत मजबूत ताकत से तय होती है

परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था : किम जोंग

प्योंगयांग, एजेंसी

नॉर्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन ने देश के पास परमाणु हथियार होने को लेकर खुशी जताई है। सरकारी मीडिया के मुताबिक उन्होंने कहा कि अमेरिका और इजराइल के ईरान पर किए गए हमले साबित करते हैं, कि उनके देश का परमाणु हथियार रखने का फैसला सही था। किम ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहा युद्ध दिखाता है कि आज की दुनिया में सिर्फ मजबूत सैन्य ताकत ही किसी देश को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने यह बयान सोमवार को संसद में लंबे भाषण के दौरान दिया। अपने भाषण में किम ने दक्षिण कोरिया के प्रति सख्त रुख दोहराया और कहा कि वह अपने देश की परमाणु ताकत को और मजबूत करेंगे, ताकि अमेरिका को रोका जा सके। किम जोंग उन

किम जोंग उन ने कहा कि जरूरत पड़ी तो हम दूसरे देशों के लिए खतरा बन सकते हैं। (फाइल फोटो)

का यह भाषण मंगलवार को लिखित रूप में जारी हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि 2019 में ट्रम्प के साथ बातचीत टूटने के बाद परमाणु हथियार बढ़ाने का फैसला उनका सबसे सही कदम था। व्हाइट हाउस में दोबारा आने के बाद ट्रम्प ने किम से फिर बातचीत करने की इच्छा जताई है।

2019 में अमेरिका-नॉर्थ कोरिया की बातचीत टूटी थी

अमेरिका और नॉर्थ कोरिया के बीच परमाणु कार्यक्रम छोड़ने को लेकर साल 2018 में बातचीत शुरू हुई थी। इसे लेकर जून 2018 में सिंगापुर में पहली बार ट्रम्प और किम जोंग उन की ऐतिहासिक मुलाकात हुई थी। इसके बाद फरवरी 2019 में वियतनाम के हनोई में दूसरी बैठक हुई, लेकिन यहीं बातचीत टूट गई, क्योंकि दोनों पक्ष शर्तों पर सहमत नहीं हो पाए। इसके बाद नॉर्थ कोरिया ने कहा था।

साउथ कोरिया को दुश्मन देश का दर्जा देंगे किम

साउथ कोरिया को लेकर उन्होंने कहा कि हम उसे सबसे बड़ा दुश्मन मानेंगे और पूरी तरह नजरअंदाज करेंगे। अगर साउथ कोरिया कोई भी कदम उठाता है जो उनके देश को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे कड़ी सजा दी जाएगी। कई दशकों से अमेरिका और उसके सहयोगी देश, प्रतिबंध और बातचीत के जरिए नॉर्थ कोरिया को परमाणु कार्यक्रम छोड़ने के लिए मनाने की कोशिश करते रहे हैं।

किम ने कहा कि नॉर्थ कोरिया अब अमेरिका के खिलाफ एकजुट मोर्चे में और ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाएगा। हालांकि उन्होंने ट्रम्प का नाम सीधे नहीं लिया, लेकिन यह जरूर कहा कि उनके विरोधी टकराव चाहते हैं या शांति, यह उन पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि नॉर्थ कोरिया हर स्थिति के लिए तैयार है। किम ने देश को आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था बनाने, ज्यादा परमाणु हथियार और उन्हें ले जाने वाली मिसाइलें बनाने पर जोर दिया। किम ने यह भी कहा कि परमाणु हथियारों की वजह से नॉर्थ कोरिया अब ज्यादा सुरक्षित है और इसी वजह से वह अपने संसाधनों का इस्तेमाल आर्थिक विकास के लिए भी कर पा रहा है।

गोल्डमैन सैक्स ने भारत का जीडीपी ग्रोथ अनुमान घटाया

2026 में 7% की जगह 5.9% रह सकती है

नई दिल्ली, एजेंसी

ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने साल 2026 के लिए भारत की इकोनॉमिक ग्रोथ (GDP) का अनुमान घटा दिया है। बैंक की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की जीडीपी ग्रोथ अब 5.9% रहने की उम्मीद है। ईरान युद्ध से पहले इसके 7% रहने का अनुमान लगाया गया था। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि रुपए की कमजोरी और महंगाई को काबू करने के लिए रिजर्व बैंक ब्याज दरों में 0.50% की बढ़ोतरी कर सकता है। इससे पहले 13 मार्च को भी बैंक ने ग्रोथ अनुमान 7% से घटाकर 6.5% किया था, जिसे अब और कम कर दिया गया है। ग्रोथ अनुमान में कटौती की सबसे बड़ी वजह कच्चे तेल की ऊंची कीमतें हैं। बैंक के एनालिस्ट्स का मानना है कि मार्च में ब्रेंट क्रूड की औसत कीमत $105 और अप्रैल में $115 प्रति बैरल रह सकती है। हालांकि, साल के आखिर तक इसके $80 प्रति बैरल पर

आने की उम्मीद है। कच्चा तेल बढ़ने की वजह 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' का बंद होना है। ये करीब 167 किमी लंबा जलमार्ग है, जो फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है। ईरान जंग के कारण यह रूट अब सुरक्षित नहीं रहा है। खतरे को देखते हुए कोई भी तेल टैंकर वहां से नहीं गुजर रहा। दुनिया के कुल पेट्रोलियम का 20% हिस्सा यहीं से गुजरता है। सऊदी अरब, इराक और कुवैत जैसे देश भी अपने निर्यात के लिए इसी पर निर्भर हैं। भारत अपनी जरूरत का 50% कच्चा तेल और 54% एलएनजी इसी रास्ते से मंगाता है।

तेजी : चांदी में ₹1 हजार रुपए की तेजी, दाम 2.20 लाख रुपए प्रति किलो पहुंचे

सोना ₹56 रुपए घटा, 10 ग्राम की कीमत 1.39 लाख

मुंबई, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 24 मार्च को मामूली उतार-चढ़ाव है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 56 रुपए गिरकर 1.39 लाख रुपए के करीब है। चांदी में 1093 रुपए की तेजी है। ये 2.20 लाख रुपए प्रति किलो पर है। दूसरी ओर चांदी की कीमतों में आज जोरदार उछाल देखने को मिला है। IBJA के मुताबिक, चांदी के दाम में 1093 रुपए की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसके बाद चांदी की कीमत बढ़कर लगभग 2.20 लाख रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। चांदी में आई इस तेजी को औद्योगिक मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती से जोड़कर देखा जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि सोने और चांदी की कीमतों में यह उतार-चढ़ाव वैश्विक

बाजार के संकेतों के कारण हो रहा है। डॉलर की मजबूती, अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतियां और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां कीमती धातुओं की कीमतों को प्रभावित कर रही हैं। जहां सोना आमतौर पर सुरक्षित निवेश (सेफ हेवन) माना जाता है, वहीं चांदी का उपयोग औद्योगिक क्षेत्रों में भी अधिक होता है, जिससे इसकी कीमतों में ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। बाजार जानकारों के अनुसार, सोने में आई हल्की गिरावट को निवेश के अवसर के रूप में देखा जा सकता है। वहीं चांदी में तेजी यह संकेत देती है कि आने वाले समय में इसमें और उतार-चढ़ाव संभव है।

रिकॉर्ड हाई से 37 हजार रुपए सस्ता हुआ सोना

शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 1.33 लाख

ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 1.76 लाख (सिर्फ एक महीने में भारी उछाल)

मौजूदा स्थितिः अपने उच्चतम स्तर से सोना अब तक 37 हजार सस्ता हो चुका है।

रिकॉर्ड हाई से 1.66 लाख रुपए सस्ती हुई चांदी

शुरुआती स्तर (31 दिसंबर 2025): 2.30 लाख

ऑल टाइम हाई (29 जनवरी 2026): 3.86 लाख (ऐतिहासिक बढ़त)

गिरावट का आंकड़ाः पिछले 53 दिन में चांदी 1.66 लाख सस्ती हो गई है।

सोना खरीदते समय इन 2 बातों का ध्यान रखें

1. सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें: हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524।

हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।

2. कीमत क्रॉस चेक करें: सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

सेंसेक्स 1300 अंक चढ़कर 74,000 पर पहुंचा

निफ्टी में भी 400 अंकों की तेजी, बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 24 मार्च को तेजी है। सेंसेक्स 1300 अंक (1.80%) की तेजी के साथ 74,000 पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 400 अंक (1.72%) की तेजी है, ये 22,900 पर पहुंच गया है। आज बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में सबसे ज्यादा खरीदारी है। बाजार में यह उछाल 1 बजे के आस-पास अल अरबिया की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें दावा किया गया है कि मोजतबा खामेनेई अमेरिका के साथ बातचीत करने के लिए सहमत हो गए हैं। हालांकि, ईरान की ओर से अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घरेलू शेयर बाजार में तेजी की एक वजह ग्लोबल मार्केट से मिले अच्छे संकेत भी रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने

ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमलों को 5 दिन के लिए अस्थायी रूप से रोकने का ऐलान किया है, जिसका असर भारतीय बाजार पर दिखा। अमेरिका और इजराइल की ईरान के साथ जारी जंग में 5 दिन के पॉज के बीच आज कच्चे तेल की कीमतों में तेजी है। ब्रेंट क्रूड आज 4% बढ़कर 104 डॉलर प्रति बैरल के पार कारोबार कर रहा है। वहीं इंडियन बास्केट की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई हैं। कल जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी पावर प्लांट्स और ऊर्जा ढांचे पर किसी भी सैन्य हमले को फिलहाल पांच दिनों के लिए टालने की बात कही थी तो कच्चा तेल 113 डॉलर से घटर 100 डॉलर के भी नीचे आ गया था। हालांकि आज फिर इसमें तेजी है। भारतीय रुपए की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। डॉलर के मुकाबले रुपया 34 पैसे चढ़कर 93.64 पर खुला, जबकि पिछले कारोबारी दिन यह 93.98 के स्तर पर बंद हुआ था। बाजार में डॉलर की कमजोरी का असर रुपए पर दिख रहा है। शेयर बाजार में आज यानी 23 मार्च को बड़ी गिरावट रही। सेंसेक्स 1837 अंक (2.46%) की गिरावट के साथ 72,696 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 602 अंक (2.60%) की गिरावट रही, ये 22,513 पर बंद हुआ। बैंकिंग, ऑटो, मेटल और FMCG शेयर्स में ज्यादा गिरावट रही।

गैस की लाइन में लगे युवक को हार्टअटैक

उन्नाव में हाईवे जाम किया, कानपुर में महिला बोली- मर जाऊंगी तो क्या होगा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर, हापुड़, प्रयागराज। यूपी में गैस सिलेंडर की किल्लत जारी है। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी लाइनें लगी हैं। मंगलवार सुबह 11 बजे हापुड़ में एक गैस एजेंसी पर सिलेंडर के लिए लाइन में लगे 35 साल के युवक पप्पू को हार्ट अटैक आ गया। वह जमीन पर गिर पड़ा। लोगों ने उसे CPR देने की कोशिश की, फिर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पप्पू कविनगर का रहने वाला है और किराए पर कार चलाता है। सिलेंडर की लाइन में हार्ट अटैक का यह देश में तीसरा मामला है। इससे पहले फर्रुखाबाद में मुख्तार अंसारी (75) और पंजाब के बरनाला जिले में भूषण कुमार मित्तल (66) को हार्ट अटैक आया था। दोनों की मौत हो गई थी। इधर, उन्नाव में भैयाजी गैस एजेंसी को बिना सूचना बंद किए जाने से लोग नाराज हो गए। दोपहर 1 बजे लोगों ने कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सिलेंडर रखकर जाम लगा दिया। बाद में पुलिस ने लोगों को

समझाकर जाम खुलवाया। वहीं, कानपुर में सिलेंडर लेने एजेंसी पर पहुंचे लोगों ने कहा कि OTP आने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहे। गैस एजेंसी पहुंचने पर कहा जाता है कि आपकी बुकिंग नहीं हुई है। कानपुर में 55 साल की महिला मुमताज ने कहा- मेरे घर में 5 बेटियां हैं। पर्ची मिलने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा है। एजेंसी वाले रोज दौड़ा रहे हैं। मुझे बीपी की बीमारी है। रोज 200 रुपए आने जाने के लग रहे हैं। हम मर जाएंगे तो मेरे बच्चों को कौन देखेगा। उन्नाव में भैयाजी गैस एजेंसी को बिना सूचना बंद किए जाने से लोग नाराज हो गए। उन्होंने कानपुर–लखनऊ हाईवे पर सिलेंडर रखकर जाम लगा दिया। कानपुर के शिवराज गुप्ता ने बताया- गैस को लेकर शहर में काफी ज्यादा संकट है। कई जगह गैस की कालाबाजारी भी हो रही है। अगर अधिकारी एक बार सड़क पर उतरकर एजेंसियों के चक्कर लगाएं।

> 55 साल की महिला मुमताज ने कहा- मेरे घर में 5 बेटियां हैं। पर्ची मिलने के बाद भी सिलेंडर नहीं मिल रहा। एजेंसी वाले रोज दौड़ा रहे हैं। मुझे इढ की बीमारी है। रोज 200 रुपए आने-जाने में लग रहे। हम मर जाएंगे तो मेरे बच्चों को कौन देखेगा। प्रदेश में गैस सिलेंडर को लेकर 15 दिन से परेशानी बनी हुई है। अफसरों का दावा है कि सिलेंडर की कोई कमी नहीं है। लोग पैनिक हो रहे हैं, इसलिए दिक्कत आ रही है।

- हापुड़ में गैस एजेंसी पर लाइन में लगे युवक को अचानक हार्ट अटैक आ गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।
- उन्नाव में लोगों ने कानपुर-लखनऊ हाईवे पर सिलेंडर रखकर जाम लगा दिया। बाद में पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया।

हापुड़ में एजेंसी पर लाइन में लगे युवक को आया हार्ट अटैक

हापुड़ के कविनगर में भारत गैस एजेंसी पर सिलेंडर के लिए लाइन में लगे 35 साल के युवक को हार्ट अटैक आ गया। वह जमीन पर गिर पड़ा। लोगों ने उसे CPR देने की कोशिश की, फिर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। युवक पप्पू कविनगर का रहने वाला है और कार चलाता है।

कानपुर में लोग बोले- एजेंसी समय से नहीं खुल रही

कानपुर की माल रोड स्थित सुमिता गैस एजेंसी पर सुबह 8 बजे से ही लोग पहुंचने लगे। यहां सिलेंडर लेने और पर्ची बुक कराने के लिए लोगों की भीड़ रही। लोगों ने बताया कि एजेंसी आमतौर पर सुबह 10:30 बजे खुल जाती है, लेकिन अब 11 बजे तक भी नहीं खुल रही है। मोतीलाल ने कहा- मैंने 11 मार्च को गैस बुक की थी। आज तीसरी बार आया हूं, लेकिन हर बार कहा जाता है कि गाड़ी नहीं आई है।

देश में पहली बार इच्छामृत्यु, हरीश राणा की हुई मौत

13 साल से कोमा में थे, सुप्रीम कोर्ट ने 13 दिन पहले इजाजत दी थी

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। हरीश राणा ने मंगलवार को दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। PTI ने सूत्रों के हवाले से इसकी पुष्टि की है। 31 साल के हरीश 13 साल से कोमा में थे। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। ये देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई है। एम्स में हरीश को पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके। 14 मार्च को हरीश को दिल्ली एम्स में शिफ्ट किया गया था। मां निर्मला राणा और पिता अशोक राणा को एम्स प्रशासन

हरीश राणा

ने हरीश वार्ड के बगल में ही रूम दिया था। निर्मला अपने बेटे के पास अधिकतर समय रहती थीं। पिता अशोक राणा, भाई और बहन कभी-कभी मिलने जाते थे। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इच्छामृत्यु मामले में फैसला सुनाया था। फैसले के बाद मां निर्मला देवी ने कहा था, 'बेटे के इलाज के लिए हर संभव प्रयास किए। बड़े-बड़े अस्पतालों में दिखाया और कई डॉक्टरों से इलाज भी कराया, लेकिन उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं। अब तो बस भगवान से यही प्रार्थना है।

> तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा था, अगर किसी मरीज को लाइलाज बीमारी हो या वेजिटेटिव स्टेट में यानी लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर ही जिंदा हो, तो प्राकृतिक तरीके से मृत्यु के लिए उसका इलाज बंद किया जा सकता है। इसे इच्छामृत्यु नहीं, बल्कि सम्मान के साथ मृत्यु का अधिकार माना जाएगा। यह अधिकार संविधान के आर्टिकल 21 का हिस्सा है, जिसमें सम्मान से जीने के साथ सम्मान से मरने का अधिकार है।

फास्ट न्यूज

भाई ने पुलिस के सामने बहन को गोली मारी

सहारनपुर। सहारनपुर में भाई ने अपनी बहन को पुलिस कस्टडी में गोली मार दी। उसने बहन के सिर में तमंचा सटाकर फायर किया। गोली लगते ही वह बेसुध होकर गिर पड़ी। पुलिस के मुताबिक, युवती 4 दिन पहले गांव के ही एक युवक के साथ घर से चली गई थी। इसके बाद परिजनों ने अपहरण का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने रविवार देर रात युवती को बरामद किया था।

आईएसआईएस आतंकी हारिश से एटीएस करेगी पूछताछ

लखनऊ। लखनऊ में आतंकी गतिविधियों से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। एनआईए कोर्ट ने प्रतिबंधित संगठन ISIS से जुड़े सहारनपुर निवासी हारिश को 5 दिन की रिमांड पर एटीएस को सौंपा है। एजेंसियां उससे नेटवर्क, फंडिंग और अन्य संदिग्धों के बारे में गहन पूछताछ करेंगी। जांच एजेंसियों के मुताबिक हारिश पर इंटरनेट मीडिया के जरिए युवाओं को जिहाद के लिए उकसाने और ISIS की विचारधारा का प्रचार करने का आरोप है। वह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए युवाओं से संपर्क कर उन्हें संगठन से जोड़ने का प्रयास कर रहा था। एटीएस को शक है कि उसके संपर्क में कई और युवक भी थे, जिनकी पहचान की जा रही है। सूत्रों के अनुसार हारिश को 15 मार्च को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया गया था। वह एक निजी मेडिकल कॉलेज में बीडीएस का छात्र है।

4 गैस सिलेंडर के साथ युवक पकड़ा

लखनऊ। लखनऊ में घरेलू गैस सिलेंडरों की आपूर्ति व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक अभियान चलाया। अलग-अलग टीमों ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में गैस एजेंसियों और गोदामों का निरीक्षण किया। इसी दौरान हजरतगंज में संदिग्ध तरीके से सिलेंडर ले जा रहे एक युवक को पकड़कर उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

खाना बनाते समय सिलेंडर फटा, भाई-बहन की मौत

वाराणसी में धमाके के बाद पूरा मकान ढहा, आसपास के घरों में दरारें आईं

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में मंगलवार सुबह साढ़े 7 बजे खाना बनाते समय गैस सिलेंडर फट गया। धमाके से पूरा मकान ढह गया। हादसे के वक्त घर में परिवार के 4 लोग मौजूद थे। भाई-बहन की मौत हो गई। जबकि मां और बड़ा भाई मलबे में दब गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने रेस्क्यू कर उन्हें बाहर निकाला और बीएचयू ट्रामा सेंटर में भेज दिया। धमाका इतना भीषण था कि आसपास के कई मकानों में दरारें आ गईं। लोग घरों से बाहर निकल आए। भागकर मदद के लिए पहुंचे। हादसे में ओम कुमार चौधरी (31) और उसकी बहन प्रीति उर्फ लक्ष्मी (28) की मौत हुई है। वहीं, मां गिरिजा देवी (60) और बड़ा भाई अमन चौधरी (33) की हालत गंभीर है। घटना काशी विश्वनाथ मंदिर से 7 किलोमीटर दूर लहरतारा इलाके में हुई। मौके पर NDRF की टीम भी पहुंची है। जेसीबी की मदद से मलबा हटाया जा रहा है। एडीसीपी वरुणा जोन नीतू कादयान ने

ओम, प्रीति (मृतक भाई-बहन)

- धमाका सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुआ। इसमें दिख रहा है कि ब्लास्ट के बाद आग की लपटें उठीं। थोड़ी देर में हर तरफ धूल-ही-धूल दिखाई देने लगी।

बताया- एक मंजिला मकान गिरने की सूचना मिली थी। हादसा सिलेंडर फटने की वजह से हुआ। मकान से 4 लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टर्स ने 2 को मृत घोषित कर दिया। लहरतारा इलाके में गिरिजा देवी का मकान है।

लखनऊ के बच्चों ने गुल्लक फोड़कर भेजे पैसे

फूट-फूटकर रोई महिला, बोली- ईरान के लिए चारों बेटों को कुर्बान कर दूंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ से 3 हजार किलोमीटर दूर ईरान आर्थिक सहायता भेजी जा रही है। दरगाह हजरत अब्बास में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे जो अपना पैसा ईरान वालों की मदद के लिए भेजे रहे है। QR कोड के माध्यम से स्कैन करके ईरान एंबेसी पैसा भेजा जा रहा है। महिलाएं अपने जेवर बेचकर मदद के लिए पहुंचीं, वहीं छोटे-छोटे बच्चे अपनी गुल्लक तोड़कर ईरान तक सहायता पहुंचाने की बात करते नजर आए। ईरान मदद के नाम पर बड़ी संख्या में शिया समुदाय के लोग जमा हुए। लोगों ने कहा कि ईरान की मदद जरूर करेंगे उसके लिए चाहे जेवर बेचना पड़े या कुछ भी करना पड़े। हम जरुर मदद पहुंचाएंगे। हमारे पास जो बचत के पैसे हैं वह सब ईरान को दे देंगे। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह खामेनई ने इंसानियत के लिए जान दे दिया हम लोग भी अपना माल ईरान के लिए

ईरान के आर्थिक मदद के लिए छोटे बच्चों ने अपना गुल्लक फोड़ दिया।

कुर्बान कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध जैसी परिस्थितियों में जहां कई देशों के लिए रास्ते बंद कर दिए जाते हैं, वहीं ईरान ने भारत के लिए अपने रास्ते खुले रखे, जिससे भारत को ऊर्जा संसाधनों की आपूर्ति मिलती रही। नाज ने कहा कि आयतुल्लाह खामेनई उनके लिए बेहद अहम हैं और उनके निधन की खबर सुनकर वह काफी भावुक हो गईं। नाज कहती हैं कि- इंसानियत के नाते वह यहां मदद के लिए खड़ी हैं और उनका एक-एक रुपया भी अगर काम आ जाए तो यह बड़ी बात होगी। उनके चार बेटे हैं और जरूरत पड़ने पर वह अपने बेटों को कुर्बान कर देंगी। वक्त आने पर वो सब कुछ कुर्बान कर सकती हैं। ईरान को कब फतह हासिल होगी नहीं पता मगर फिलहाल हम सब कुछ देने के लिए तैयार हैं। हम वहां जा नहीं सकते हैं इसलिए बच्चे भेजने के लिए तैयार है।

'छोटे बच्चे गुल्लक लेकर पहुंचे'

दरगाह के अध्यक्ष मीसम रिजवी ने कहा कि हम लोग QR कोड की मदद से सीधे ईरान एंबेसी को सहायता भेज रहे हैं। छोटे बच्चे अपना गुल्लक लेकर आए है। ईरान में जो बमबारी हुई जिसमें छोटे बच्चे शहीद हो गए उनकी याद में हमारे बच्चे अपना पैसा लेकर पहुंचे हैं। फिलहाल कैश भेजने में थोड़ी सी समस्या आ रही है। अगर हम लोग ईरान एंबेसी और ईरान कल्चरल हाउस में बात कर रहे हैं कि वहां का प्रतिनिधि आ जाए और वह कैश हमसे हासिल कर ले।

> मीसम ने कहा कि इसी रिश्ते और इंसानियत के नाते लोग आज ईरान की मदद के लिए आगे आए हैं। साथ ही उन्होंने अमेरिका और इजरायल द्वारा किए जा रहे हमलों का विरोध भी जताया। मिसम रिजवी की अम्मी नाज भी पैसे लेकर पहुंचीं और भावुक होकर कहा कि वह ईरान की मदद के लिए आई हैं। उन्होंने बताया कि वहां के हालात देखकर उन्हें बहुत दुख और तकलीफ हो रही है।

ईरान के मदद के लिए आगे आए महिलाएं और बच्चे।

अमेरिका और इजरायल का विरोध

मीसम ने कहा कि ईरान ने हमेशा हिंदुस्तान की मदद की है। उन्होंने बताया कि ईरान ने भारत को गैस और ऑक्सीजन की आपूर्ति की, साथ ही दुनिया में सबसे सस्ता तेल भी उपलब्ध कराया।

अखिलेश ने केंद्र सरकार पर विदेश नीति और किसानों की उपेक्षा का आरोप लगाया

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव ने कहा है कि केन्द्र सरकार की डिप्लोमेसी फेल है। इस सरकार ने देश को कमजोर किया है। आज भारत की विदेश नीति विदेशी लोग तय कर रहे है। सरकार किसानों के हितों की अनदेखी कर रही है। अमेरिका के साथ व्यापारिक डील और कारोबार की बात हो रही है। सरकार समझौते पर समझौते कर रही है। पूरा बाजार दूसरे देशों को सौप दे रही है। सब कुछ विदेश से आएगा तो हमारा किसान क्या करेगा। केन्द्र सरकार बताएं कि उसने अपने किसानों के हितों और इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए क्या काम किया है? श्री अखिलेश यादव ने कहा कि विश्वगुरू बनने का दावा करने वाले अगर वाकई में विश्व गुरू होते तो युद्ध नहीं होता। प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि उनके हर देश से अच्छे सम्बंध हैं और इतने बड़े देश की सरकार चला रहे हैं तो इस युद्ध के वैश्विक संकट में उन्होंने क्या भूमिका निभाई? क्या विश्व गुरु केवल खुद के लिखने और बोलने के लिए होता है। अगर विश्वगुरु हैं तो अपनी भूमिका

निभाते और युद्ध टलवा देते। श्री यादव ने कहा कि अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया था। भारत को भी कहना चाहिए था, अगर युद्ध के कारण कहीं जान जाएगी तो भारत भी अमेरिका पर प्रतिबन्ध लगायेगा, व्यापार नहीं करेगा। अगर अमेरिका पर प्रतिबन्ध नहीं लगा सकते तो मान लेना चाहिए कि विश्व गुरु नहीं है। मंगलवार को नई दिल्ली में एक न्यूज चैनल के कार्यक्रम में बोलते हुए श्री अखिलेश यादव ने कहा कि देश में आज आम आदमी रसोई गैस सिलेण्डर के लिए सबसे ज्यादा परेशान है। लिक्विड पेट्रोलियम गैस एलपीजी को अब लोग लापता गैस कहने लगे है। सुनने में आ रहा है 14 किलो का गैस सिलेण्डर अब 10 किलो का हो जाएगा। इससे पहले यूरिया की बोरी के साथ भी यही किया था। उन्होंने कहा कि भाजपा आज कल लाल टोपी और लाल सिलेण्डर से घबराई हुई है। प्रधानमंत्री जी और भाजपा के नेता विपक्ष के लिए जो कह रहे हैं वैसा बर्ताव खुद क्यों नही करते है? भाजपा सरकार विपक्ष को बदनाम करती है। परेशान करती है। झूठा फंसाती है। विपक्ष के साथ अन्याय पूर्ण व्यवहार करती है। इस सरकार में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। यूपी में तो कानून व्यवस्था बर्बाद हो चुकी है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जी के क्षेत्रों में खुलेआम हत्याएं हो रही है। जिस नगरी को क्योटो बनाने का वादा किया गया था वहां गोलियां चल रही है। हत्या हो रही है। यूपी में किसी को न्याय नहीं मिल रहा है। भाजपा सरकार ने पूज्यनीय शंकराचार्य जी को गंगा जी में स्नान नहीं करने दिया, अपमानित किया। सरकार का यह व्यवहार हम लोगों को अच्छा नहीं लगा। मुख्यमंत्री जी को शंकराचार्य जी के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं करना चाहिए था। पूज्यनीय शंकराचार्य को

वारदात : पति ने कॉल करके घर बुलाया, दोनों की लाश कमरे में छोड़कर भागा

पत्नी और उसके बॉयफ्रेंड की हत्या की

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में अफेयर से नाराज पति ने पत्नी और उसके बॉयफ्रेंड की गोली मारकर हत्या कर दी। सोमवार रात करीब 12 बजे वारदात के बाद आरोपी कमरे में दोनों की लाश छोड़कर फरार हो गया। पड़ोसियों की सूचना पर गाजियाबाद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अंदर गई तो कमरे में पत्नी शबनम (36) की लाश फर्श पर पड़ी थी। थोड़ी दूरी पर बॉयफ्रेंड फहीम (32) खून से लथपथ पड़ा था। घटना ट्रोनिका सिटी की है। पुलिस आरोपी पति राशिद (38) की तलाश कर रही है। राशिद और शबनम अपने बच्चों के साथ खुशहाल पार्क इलाके में रहता थे। उनके 7 बच्चे हैं। राशिद लकड़ी का काम करता है। फहीम राशिद के साथ काम करता था। वह लोनी में अल्फालह मस्जिद के पास रहता था। दोनों के घर के बीच की दूरी 1 किलोमीटर है। पड़ोसियों के मुताबिक, दो साल से

पुलिस पहुंची तो महिला की लाश फर्श पर पड़ी हुई थी।

फहीम का राशिद के घर आना-जाना था। इसी दौरान फहीम का शबनम से अफेयर हो गया। कुछ दिन पहले राशिद को इसकी जानकारी हो गई थी। इसे लेकर शबनम और फहीम से राशिद का झगड़ा हुआ था। इसके बाद फहीम ने घर आना बंद कर दिया था।

पड़ोसी युवक ने फोन कर पुलिस बुलाई

एडिशनल पुलिस कमिश्नर राज करन नैय्यर ने बताया कि सोमवार रात 12 बजे डायल-112 पर एक युवक का फोन आया। उसने बताया कि उसके मकान के सामने शबनम नाम की महिला रहती है और उसके घर से झगड़े व फायरिंग की आवाज आ रही है। पुलिस मौके पर पहुंची तो कमरे का दरवाजा खुला हुआ था। सोफा खून से सना था और दोनों के शव पड़े थे। पुलिस को आशंका है कि महिला सोफे पर बैठी थी, तभी पति ने गोली मारकर उसकी हत्या की। दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पड़ोसियों के अनुसार, राशिद ने कुछ समय पहले नया मकान बनवाया था, जिसमें वह पत्नी के साथ रहता था। दूसरा मकान थोड़ी दूरी पर है। हत्या नए मकान में हुई। जिस समय वारदात हुई, उस वक्त घर में केवल एक बेटा था।

फोन कर फहीम को बुलाया, फिर हत्या की

फहीम के भाई फैसल ने बताया- फहीम और राशिद कई साल से साथ काम करते थे। सोमवार को राशिद ने फोन कर उसे घर बुलाया। जैसे ही फहीम पहुंचा, उसे गोली मार दी गई।हत्या की वजह हमें पता नहीं है। वहीं पुलिस जांच में सामने आया कि राशिद ने फहीम को घर बुलाया था। वहां पत्नी और फहीम के बीच झगड़ा हुआ। इसके बाद राशिद ने पिस्टल निकाली। पहले पत्नी को गोली मारी। फिर फहीम को भी गोली मार दी। घटना के बाद राशिद फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

पृष्ठ 01 का शेष...

ईरान जंग जारी ...

सरकार उनके परिवारों की मदद और घायलों के इलाज की व्यवस्था कर रही है। पीएम मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध से वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा हुआ है, जिसका असर भारत पर भी पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पेट्रोल, डीजल, गैस और फर्टिलाइजर की सप्लाई प्रभावित है और गल्फ में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा चिंता का विषय है। पीएम ने कहा कि होर्मुज में भारतीय क्रू फंसे हैं, इसलिए शांति के लिए एकजुट आवाज जरूरी है और भारत कई देशों से लगातार संपर्क में है।

'सिर्फ ईडी-ईडी...

प्रतीक जैन ही ममता बनर्जी के लिए पॉलिटिकल स्ट्रैटजी तैयार करते हैं। कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर, प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी। इसके बाद वे I-PAC के ऑफिस भी गईं। उन्होंने कहा- गृहमंत्री मेरी पार्टी के दस्तावेज उठवा रहे हैं। ED ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 6 और दिल्ली में 4 ठिकानों पर छापेमारी की गई। पूरा मामला 2,742 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ा है। आरोप है कि 20 करोड़ हवाला के जरिए I-PAC तक ट्रांसफर हुए। ED ने 28 नवंबर 2020 को इसकी जांच शुरू की थी। 8 जनवरी 2026 को ED ने कोलकाता में I-PAC और उसके डायरेक्टर प्रतीक जैन के घर और ऑफिस पर छापा मारा था। सर्च ऑपरेशन के दौरान, CM ममता बनर्जी अन्य TMC नेताओं के साथ I-PAC ऑफिस पहुंचीं। इसके बाद काफी हंगामा हुआ। ममता ऑफिस से कई फाइलें लेकर बाहर निकलीं और मीडिया से बात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय एजेंसी पर हद से ज्यादा दखलंदाजी का आरोप लगाया। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है कि I-PAC पार्टी के चुनाव रणनीतिकार के रूप में काम करता है और विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ED ने गोपनीय चुनाव रणनीति से जुड़ी जानकारी हासिल करने के लिए रेड डाली। पश्चिम बंगाल में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। TMC ने ED की कार्रवाई में बाधा डालने के आरोप का खंडन किया। वहीं पश्चिम बंगाल पुलिस ने ED अधिकारियों के खिलाफ FIR भी दर्ज की।

केवल हिंदू-बौद्ध...

केवल लाभ प्राप्त करने के उद्देश्य से धर्म परिवर्तन करने को सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के साथ धोखा करार दिया। यह मामला विशाखापट्टनम जिले के अनाकापल्ली का है, जहां मूल रूप से एससी (माला समुदाय) के चिंथदा ने ईसाई धर्म अपना लिया और पादरी बन गया। कुछ दिन बाद गुंटूर जिले के कोथापलेम में रहने वाले अक्कला रामी रेड्डी नाम के शख्स पर चिंथदा ने आरोप लगाया कि अक्कला ने उसे जातिसूचक गालियां दी हैं। चिंथदा ने SC-ST एक्ट के तहत मामला दर्ज करवाया था। मामला हाईकोर्ट पहुंचने पर इस पर सुनवाई से इनकार कर दिया था। इसके बाद चिंथदा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। केस की जांच के दौरान पता चला था कि ईसाई धर्म अपनाने के कारण चिंथदा का अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र रद्द कर दिया गया था। चिंथदा एक चर्च में करीब 10 साल से पादरी के तौर पर काम कर रहा है। जब पीड़ित ने खुद कहा कि वह पिछले 10 साल से ईसाई धर्म का पालन कर रहा है, तो पुलिस को आरोपियों पर एससी/एसटी अधिनियम नहीं लगाना चाहिए था। एससी/एसटी अधिनियम का उद्देश्य उन समूहों (अनुसूचित जातियों) से जुड़े लोगों की रक्षा करना है, न कि उन लोगों की जो दूसरे धर्मों में परिवर्तित हो गए हैं। केवल इस आधार पर एससी/एसटी अधिनियम लागू करना कि उसका जाति प्रमाण पत्र रद्द नहीं किया गया है, वैध आधार नहीं हो सकता। संविधान (अनुसूचित जातियों) आदेश, 1950 के अनुसार केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के अनुसूचित जाति समुदायों को एससी का दर्जा प्राप्त है। अगर कोई ईसाई या मुस्लिम धर्म अपना लेता है तो उनका यह दर्जा समाप्त हो जाता है। आंध्र प्रदेश विधानसभा ने भी मार्च 2023 में एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया कि ईसाई धर्म अपना चुके दलितों को भी एससी दर्जा प्रदान किया जाए।

अमेरिका-ईरान ...

ईरान साफ कर चुका है कि इजरायल और अमेरिका के सहयोगी देशों के जहाजों को होर्मुज से एक बूंद तेल भी नहीं ले जाने दिया जाएगा। इससे एशिया से लेकर यूरोप तक तेल और गैस के दामों में आग लग गई है। कई देशों में तेल और गैस की किल्लत का असर आम जन-जीवन पर भी तेजी से पड़ा है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के एक कमांडर ने मंगलवार को कहा कि अगर अमेरिका, इजराइल या कोई अन्य देश हमला करता है या धमकी देता है, तो उसका कड़ा जवाब दिया जाएगा। तेहरान टाइम्स से बातचीत में ग्राउंड फोर्स के कमांडर मोहम्मद करामी ने कहा, "हम पूरी तरह तैयार हैं। ईरानी सेना किसी भी ताकत से नहीं डरती। किसी भी तरह की आक्रामक कार्रवाई का जवाब मजबूती से दिया जाएगा।" यूरोपीय यूनियन ने रूस से तेल आयात पर स्थायी प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव को फिलहाल टाल दिया है।

प्रेमिका ने पूर्व प्रधान के कत्ल की रची खौफनाक साजिश

'प्यार' से मिलने गया तो 18 बच्चों के पिता को मिली मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में हत्या की खौफनाक घटना सामने आई है. पूर्व प्रधान की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया. हैरान करने वाली बता यह है कि हत्या की मास्टरमाइंड पूर्व प्रधान की प्रेमिका ही है. उसने अपने परिजनों के साथ मिलकर हत्या की, फिर लाश को बोरे में भरकर नहर किनारे फेंक दिया. पुलिस ने आरोपी प्रेमिका को गिरफ्तार कर लिया है. मामला प्रतापगढ़ जिले के मांधाता कोतवाली क्षेत्र का है. सुमेरपुर गांव के पूर्व प्रधान मुस्तका गुलशन उर्फ मुन्ना 18 मार्च को घर से निकले, लेकिन वापस नहीं लौटे. परिवार की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और कॉल डिटेल के जरिए 21 मार्च को आरोपी महिला सुमन गौतम तक पहुंच गई. जांच में खुलासा हुआ कि मुस्तका और सुमन के बीच अवैध संबंध थे. आरोप है कि मुस्तका महिला पर मिलने

का दबाव बना रहा था और उसे ब्लैकमेल कर रहा था. इसी से तंग आकर महिला ने अपने भाई और उसके दोस्त के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची. 18 मार्च की रात मुस्तका को मायके बुलाया गया, जहां लोहे की रॉड से हमला कर उसकी हत्या कर दी. इसके बाद शव को बोरे में भरकर नहर किनारे फेंक दिया, जिसे रविवार को बरामद किया गया. दो शादियां और 18 बच्चों के पिता रहे पूर्व प्रधान की हत्या ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है. प्रतापगढ़ के अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र लाल ने बताया कि मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676